Summary Sheet: 6.1.1

Criteria VI	**Governance, Leadership and Management**	
Key Indicator	**6.1 : Institutional Vision and Leadership**	
Metric	***6.1.1*** *The institution has a clearly stated vision and mission which are reflected in its academic and administrative governance* • Vision and Mission document is provided on the University Website. • The academic and administrative bodies work in line with the vision and mission of the University.	
S. No	**Documents and links**	
1.	Link for additional information	http://www.vbspu.ac.in/en/page/vision-mission
2.	Any additional information	• Various outreach programmes to engage local and regional communities through extension activities • Activities under Govt. of India Initiative scheme "Azadi Ka Amrit Mahotsav" & Mission Shakti (Uttar Pradesh Govt. Initiatives) • Activities and training under Kaushal Vikash Kendra of VBS Purvanchal University, Jaunpur, UP

Supporting Documents: Any additional Information

Index

S.N.	Documents	Page Number	Remarks
1.	**Link for additional information**		Web link for Vision mission document available on the university website http://www.vbspu.ac.in/en/page/vision-mission
2.	**Any additional information**	01 to 01	Vision mission document
		02 to 100	Various outreach programmes organised by the University during 2022-2017
		101-110	Activities under "Azadi Ka Amrit Mahotsav", which is an initiative of the Government of India
		111-125	Activities organised "Kaushal Vikas training Centre" of the university in view of Rural reconstruction scheme
		126-131	Felicitation received by the University from various Government & Non-government organizations

Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur

Vision

University is committed to be a leading global university, recognised as an excellent centre of learning for quality higher education, to create, disseminate and translate knowledge; imparting inclusive education by imbibing traditional and modern knowledge; inculcating values, morals and ethics aligned with our motto "Tejasvinavadhitamstu"

विश्वविद्यालय एक अग्रणी वैश्विक संस्थान बनने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उत्कृष्ट ज्ञान के केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ज्ञान का सृजन, प्रसार और परिणामन हो; पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान को आत्मसात करते हुए समावेशी शिक्षा प्रदान करे तथा हमारे आदर्श वाक्य "तेजस्विनावधितमस्तु" के अनुरूप मूल्यों, नैतिकता और चरित्र का निर्माण करे

Mission

English	Hindi
To create a pool of global leaders, innovators, and entrepreneurs to accelerate the pace of socio-economic and technological development at a regional, national, and global level.	क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और तकनीकी विकास को गति देने के लिए वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने वाले नवप्रवर्तकों और उद्यमियों का समूह का निर्माण।
To provide inclusive education with embedded skills for continuous quality improvement and enhance the social and human indices of the nation.	गुणवत्ता उन्नयन की निरंतरता हेतु अंतर्निहित कौशल के साथ समावेशी शिक्षा प्रदान करना और राष्ट्र के सामाजिक और मानवीय सूचकांकों को बढ़ाना।
To engage with local and regional community through extension activities so that the benefit of higher education percolates to society at large.	विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय और क्षेत्रीय समुदाय के साथ जुड़ना ताकि उच्च शिक्षा का लाभ वृहद रुप से सामाजिक स्तर पर पहुंच सके।
To encourage interdisciplinary and collaborative research, innovation and development.	अंतर्विषयी और सहयोगी अनुसंधान, नवाचार और विकास को प्रोत्साहन।
To create ethically conscious and responsible citizens who will lead towards a sustainable world.	नैतिक रूप से जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करना जो विश्व के सतत विकास में सहायक हो।

Registrar
V.B.S. Purvanchal University
Jaunpur

Prof. Vandana Rai

Shikshak Shree Puraskar

amarujala.com | लखनऊ | सोमवार, 6 सितंबर 2021

लविवि की प्रो. पूनम टंडन समेत तीन को सरस्वती पुरस्कार

शिक्षक दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने की घोषणा, शिक्षक श्री पुरस्कार के लिए भी सात का चयन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। शिक्षक दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय में सेवानिवृत्त शिक्षकों व जिले के उच्च शिक्षा के 75 शिक्षकों के सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने 2019-20 के लिए सरस्वती व शिक्षक श्री पुरस्कारों की घोषणा की। सरस्वती पुरस्कार के लिए लखनऊ विवि की भौतिक विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन, राजकीय महाविद्यालय प्रतापगढ़ के डॉ. सिकंदर लाल व कुलभाष्कर आश्रम डिग्री कॉलेज प्रयागराज के डॉ. शीतल प्रसाद वर्मा के नाम शामिल हैं।

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा- चिकित्सा अवकाश समेत अन्य मांगों पर ठोस कार्यवाही जल्द

वहीं शिक्षक श्री पुरस्कार के लिए चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ के डॉ. राकेश गुप्ता, लखनऊ विवि के भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. राजेश कुमार शुक्ला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि जौनपुर की प्रो. वंदना राय, हमवती नदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी, प्रयागराज के डॉ. राजेश कुमार पांडेय, फिरोज गांधी पीजी कॉलेज रायबरेली की डॉ. शीला श्रीवास्तव और एसबीडी कॉलेज धामपुर बिजनौर की डॉ. रेनू चौहान के नाम शामिल हैं।

पिछले साल कोविड-19 संक्रमण के कारण इन पुरस्कारों की घोषणा नहीं हुई थी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को यह दोनों पुरस्कार दिए जाते हैं। इनमें नगद राशि व प्रमाण पत्र दिया जाता है। सम्मान समारोह में डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि शिक्षकों की चिकित्सा अवकाश समेत अन्य लंबित मांगों पर जल्द ठोस कार्यवाही होगी।

प्रो. वंदना राय को शिक्षक श्री पुरस्कार

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्व विद्यालय परिसर में संचालित बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रोफेसर वंदना राय को उच्च शिक्षा विभाग ने शिक्षक श्री सम्मान देने की घोषणा की है। प्रोफेसर वंदना राय धर्मापुर ब्लाक के सरैया गांव की निवासी हैं। इनके पिता स्वर्गीय शंकर दत्त राय जज रहे। प्रोफेसर वंदना राय स्नातक की शिक्षा लखनऊ विश्व विद्यालय से हुई है। 1983 में उन्होंने बीएससी की डिग्री हासिल की। 1985 में इलाहाबाद विश्व विद्यालय से एमएससी करने के बाद पीएचडी यहीं से की। साल 2000 में उन्होंने पूर्वांचल विश्व विद्यालय में स्थापित बायोटेक्नोलॉजी विभाग में शिक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इनका कार्यक्षेत्र मानव आनुवंशिकी रहा है। इनके विदेशों में कई शोध पत्र भी प्रकाशित हुए हैं। विभिन्न संस्थाओं ने इनके शोध कार्य पर 12 अवार्ड दिया है। इसके अलावा तीन फेलोशिप दिया है। संवाद

प्रोफेसर वंदना राय

पीयू की प्रो. वंदना राय का शिक्षकश्री पुरस्कार के लिए चयन, विवि की कुलपति समेत शिक्षकों ने दी बधाई

जौनपुर । उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रोफेसर वंदना राय का शिक्षकश्री पुरस्कार 2020 के लिए चयन किया गया है। यह घोषणा शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने की। प्रो. राय विज्ञान संकाय की वरिष्ठतम प्रोफेसर है व, पूर्व संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय व पूर्व विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी विभाग भी रही हैं।

प्रोफेसर वंदना राय, को उनके द्वारा मानव स्वास्थ्य से जुड़ी शोध व ह्यूमन मॉलिक्युलर जेनेटिक्स में पिछले बीस वर्षों से भी अधिक समय से किये जा रहे शोध व ग्रामीण जनता को अनुवांशिक व अन्य रोगों, फोलिक एसिड के महत्व व अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए 2019 में इंदौर में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेज इन लाइफ साइंसेज फॉर बेटरमेन्ट ऑफ एनवायरनमेंट एंड ह्यूमन हेल्थ 2019 में बेस्ट साइंटिस्ट के अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है। प्रो. वंदना राय पिछले 20 वर्षों से भी अधिक समय से मानव स्वास्थ्य पर एमटीएचएफआर, एम टी आर आर , कोम्ट, बी डी आर,डी आर डी2, एन क्यू ओ 1 जीन्स व उससे जुड़े अनुवांशिक व अन्य रोगों पर शोध कर रही है। प्रो. राय के चार शोध पत्रों को यूके की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी ऑन न्यूट्रिशन ने खाद्य पदार्थों व आटे में फोलिक एसिड फोर्टीफिकेशन के लिए अपनी संस्तुतियों में शामिल किया है। प्रोफेसर राय के विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में 120 शोध पत्र व चार पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है ' प्रोफेसर राय ने देश व विदेश में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में में भाग लिया है एवं 100 से अधिक शोध पत्रों को प्रस्तुत कर चुकी हैं। प्रो. राय पूर्वांचल विवि की महिला अध्ययन केंद्र, महिला मेल, सेक्सुअल हैरेसमेंट कमेटी, पीयू कैट की अध्यक्ष समेत कई महत्वपूर्ण कमेटी में नामित है। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक श्री पुरस्कार के लिए प्रोफेसर राय के चयन पर विवि की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. पौर्य ने प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के काम के आधार पर जो पुरस्कार मिलता है उससे विवि का गौरव और सम्मान बढ़ता है। इस अवसर शिक्षक श्री पुरस्कार के लिए चयन पर विवि के वित्त अधिकारी संजय राय, कुलसचिव डॉ महेंद्र कुमार, सहायक कुलसचिव श्रीमती वर्षीता सिंह , श्री अमृत लाल, श्री दीपक सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो. अविनाश पाण्डेकर, प्रो. राम नारायण, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो.राजेश शर्मा, प्रो. एके श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ.संतोष कुमार, प्रो. देवराज सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डा.पूपर तिवारी, डॉ रजनीश भास्कर, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ.एसपी तिवारी, आदि शिक्षकों ने बधाई दी।

दिनांक – 08/08/2022
पूर्वाञ्चल सावन महोत्सव का आयोजन

08/08/2022 13:13

08/08/2022 13:11

Alumni Meet-2022

जौनपुर धारा
रविवार, 29 मई 2022
जौनपुर/उन्नाव/गाजीपुर/गोरखपुर/व

विद्यार्थी रोजगार के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए काम करें : प्रो. सतोष सिंह

विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व को निखारे : प्रो. निर्मला एस.मौर्य

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शनिवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय एलुमिनी मीट का आयोजन किया गया। इस मीट का आयोजन पूर्वांचल यूनिवर्सिटी एल्युमुनी एसोसिएशन (पूआ) द्वारा आयोजित किया गया था। पुरातन छात्रों को देखकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे और उत्साह का संचार महसूस करने लगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं पुरातन छात्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ.संतोष कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी रोजगार के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के लिए काम करें। इसके लिए उन्हें प्रेरित करना विश्वविद्यालय का भी दायित्व है। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उनका मानना है कि विश्वविद्यालय शिक्षा से ही नहीं संस्कार और परम्परा से भी आगे बढ़ता है। पूर्वांचल के विद्यार्थियों में ऊर्जा की कमी नहीं है, पुरातन छात्रों को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के विकास के लिए संकल्प लेना चाहिए।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस.मौर्य ने कहा कि हर व्यक्ति अपने आप में अनोखा है। उसकी अपनी अलग पहचान होती है वह अपने व्यक्तित्व को निखारने का प्रयास करे किसी दूसरे की नकल ना करें. जब आपका काम अच्छा होगा तो मातृशक्ति का सम्मान अपने आप आगे बढ़ता है और उस संस्था का नाम रोशन होता है। उन्होंने मोहम्मद जायसी द्वारा रचित महाकाव्य पद्मावत के बारहमासा का जिक्र कर बचपन की पुरानी यादें ताजा कर दी। यह रचना उन

पर सटीक बैठती थी जो पुरातन छात्र यहां आकर महसूस कर रहे थे। पूआ एसोसिएशन के सचिव और विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि पद को कर्तव्य से जोड़ने से समस्या का समाधान हो जाता है। पुरातन छात्रों का विद्यार्थियों के साथ भावनात्मक रिश्ता बनता है और जब मिलते है तो कुछ आप बीती कुछ जग बीती होती है। जिससे आपस में गहरा लगाव हो जाता है।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत डा.आशुतोष सिंह और विषय प्रवर्तन एसोसियशन के बारे में विस्तृत परिचय प्रो.राजेश शर्मा ने किया। समारोह का संचालन प्रोफेसर मुराद अली और धन्यवाद ज्ञापन डॉ.एसपी तिवारी किया। इसके बाद तकनीक सत्र चला। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डा. रसिकेश ने बताया कि पूआ और यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इंटरफेस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने में एक सेतु का काम करेगा। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय राय, परीक्षा नियंत्रक वी.एन.सिंह, सहायक कुलसचिव अमृत लाल, बबिता सिंह, प्रो.बीबी तिवारी, प्रो. वंदना राय, प्रो.अविनाश पाथडीकर, प्रो.अजय प्रताप सिंह, प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.राम नारायण, प्रो.अशोक श्रीवास्तव, प्रो.संदीप सिंह, प्रो.प्रदीप कुमार, प्रो.रजनीश भास्कर, प्रो.रवि प्रकाश, प्रो.सुरजीत यादव, डॉ.मनोज मिश्र, डॉ.रसिकेश, डॉ.प्रमोद कुमार यादव, डॉ.सुनील कुमार सहित आदि लोग उपस्थित थे।

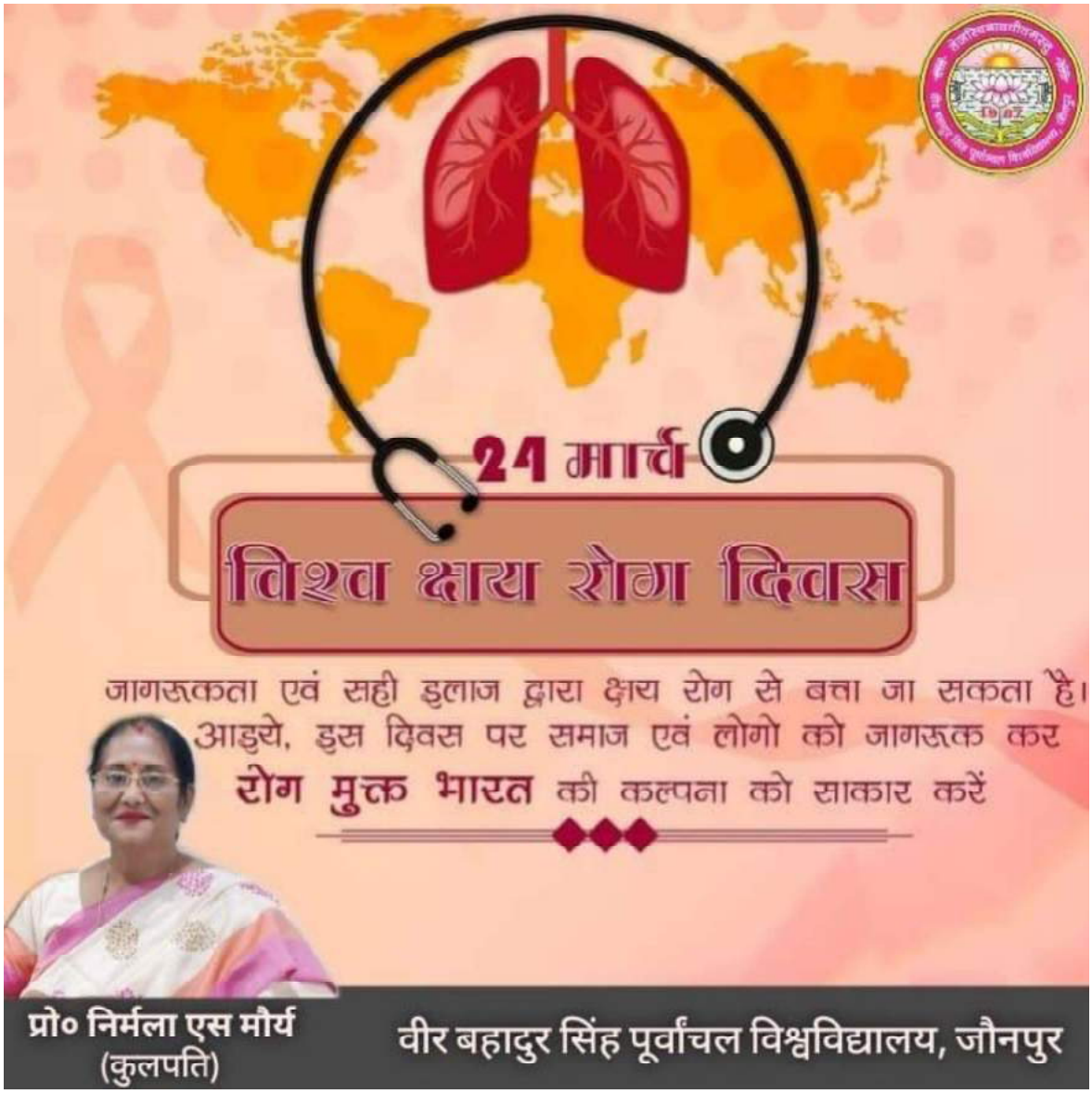
21 मार्च
विश्व क्षाय रोग दिवस
जागरूकता एवं सही इलाज द्वारा क्षय रोग से बचा जा सकता है।
आइये, इस दिवस पर समाज एवं लोगो को जागरूक कर
रोग मुक्त भारत की कल्पना को साकार करें
प्रो० निर्मला एस मौर्य
(कुलपति)
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
मिशन शक्ति
"महिला सशक्तीकरण सम्मान समारोह"
(अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में)
हार्दिक अभिनन्दन
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा. कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उ.प्र.
प्रो. निर्मला एस. मौर्य
मा. कुलपति
डॉ. राकेश कुमार यादव
डा. जगदेव
बबिता सिंह
सहायक- कुल सचिव
डॉ. वनिता सिंह
श्रीमती पूजा सक्सेना
डॉ. प्रियंका कुमारी
सुश्री जया शुक्ला
डॉ. झांसी मिश्रा
डॉ. धीरेन्द्र चौधरी
करूणा निराला
सैयद मोहम्मद इमाम
डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव
कार्यक्रम समन्वयक- मिशन शक्ति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
आयोजक मण्डल
प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. देवराज, प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. राजकुमार सोनी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चन्दन, डॉ. गिरधर मिश्रा, डॉ. रमान्शू प्रभाकर
श्री सन्दीप वर्मा, डॉ. मनोज पाण्डेय, श्री दिनेश वर्मा, डॉ. अवधेश मौर्या, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, श्री भानू शर्मा, श्री दीपक कुमार मौर्य, डॉ. अनुराग मिश्र
डॉ. शशिकान्त यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डा. राकेश जैन, अवनीश विश्वकर्मा, श्री श्याम श्रीवास्तव, श्री राघवेन्द्र गोपाल श्रीवास्तव

On the evening of International Women's Day 2021, on 8th March 2021, Hon'ble Vice Chancellor honored, 1000 women working at the grass root level in various fields including ASHA, ANM, Anganwadi, Education, Sports and women police officers for their dedicated efforts and contributions.

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर उ.प्र.
मिशन शक्ति आयोजक मण्डल के सदस्यगण
मिशन शक्ति
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में
"महिला सशक्तीकरण सम्मान समारोह"
दिनांक 7 मार्च, 2021 दिन रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे
विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आपको सादर आमंत्रित करते हैं।
प्रो. निर्मला एस मौर्य
माननीय कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
समारोह की अध्यक्षता करेंगी।
कार्यक्रम समन्वयक मिशन शक्ति
डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
असि. प्रोफेसर व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग
वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
मो. - 7905398229
उत्तरापेक्षी
कुलसचिव
वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय
जौनपुर - 222003

March-2021

Celebration of Gandhi Jayanti on 2nd October-2021

COVOD-19 Vaccination Camp on April-2021

आज जौनपुर ३
वाराणसी, २० जून, २०२१

कोरोनासे खतरेमें आई सामाजिक सुरक्षा- प्रो. राघवेन्द्र

आनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशालाका छठा दिन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग एवं आइक्यूएसी सेल के संयुक्त तत्वावधान में आनलाइन चल रही सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के छठें दिन शनिवार को कोविड के दौर में विकास संचार एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग विषयक सत्रों का आयोजन किया गया।

इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश के पत्रकारिता विभाग के आचार्य डा. राघवेन्द्र मिश्र ने कोविड के दौर में विकास संचार विषय पर कहा कि आज कोरोना ने कई गंभीर समस्याओं को जन्म दिया है, बढते अविश्वास ने लोगों को अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा करने पर विवश कर दिया है। आज विकास संचार की भूमिका इसी अविश्वास को दूर करने की है। उन्होंने कहा कि विकास के मानकों में खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा पर और भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। कोविड के आफ्टर इफेक्टस में कई लोगों की सामाजिक सुरक्षा खतरे में आ गई है। नई मानसिक समस्याएं जन्म ले रही हैं। विकास संचार की अवधारणा में हमें इस बात का ध्यान रखना है कि महामारी के इस दौर में गलत और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित न हो। इसी क्रम में दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार सुरजीत दास गुप्ता ने सोशल मीडिया

मार्केटिंग के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में डिजिटल मीडिया का पाठक ज्यादातर युवा वर्ग है। प्रोफेशनल है। जिसके पास उतना धैर्य और समय नहीं है। ऐसे में खबरों की प्रस्तुति में बहुत ध्यान देना होगा। कार्यक्रम का संचालन डा. अवध बिहारी सिंह, स्वागत संयोजक डा. मनोज मिश्र एवं धन्यवाद् ज्ञापन डा. धर्मेन्द्र सिंह ने किया। तकनीकी सहयोग वीर बहादुर सिंह एवं राना सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. लता चौहान, डा. राखी तिवारी, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. सुनील कुमार आदि शामिल रहे।

पूर्वांचल साहित्य महोत्सव-2021
थीम बेस्ड लिटरेरी फेस्ट समिट के तहत
उत्तर प्रदेश शासन से अनुमोदित
"आत्मनिर्भर भारत एवं युवा"
काव्य गोष्ठी
कुलाधिपति/श्री राज्यपाल उ.प्र
मा. आनन्दीबेन पटेल जी
कुलपति
मा. निर्मला एस मौर्य जी
दिनांक - 04 मार्च 2021
स्थान- आर्यभट्ट सभागार विश्वविद्यालय परिसर
आयोजक-वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

राष्ट्रीय युवा दिवस
प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर
राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर संगोष्ठी का आयोजन
युवा प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद: जीवन एवं दर्शन
समय व स्थान: 12 जनवरी, 2020; अपराह्न 2.00 बजे, आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भइया संस्थान
मुख्य संरक्षक
प्रो० निर्मला एस० मौर्य
माननीय कुलपति,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
मुख्य अतिथि व वक्ता
प्रो. राकेश उपाध्याय
भारत अध्ययन केंद्र
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
नोट: मुख्य वक्ता का उद्बोधन ऑनलाइन यूएलजीट के माध्यम से आर्यभट्ट सभागार में प्रसारित होगा.
अध्यक्ष
प्रो. देवराज सिंह
निदेशक, रज्जू भइया संस्थान
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
विशिष्ट अतिथि
प्रो. अजय त्रिवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
विशिष्ट अतिथि
डॉ. राकेश यादव
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
नोट: इस कार्यक्रम में निबंध, प्रश्नोत्तरी, संभाषण प्रतियोगिताओ में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो के नाम की घोषणा की जाएगी.

पूर्वांचल साहित्य महोत्सव 2021
थीम बेस्ड लिटरेरी फेस्ट समिट के तहत उत्तर प्रदेश शासन से अनुमोदित
"आत्मनिर्भर भारत एवं युवा"
शीर्षक पर स्वरचित पंक्तियों का काव्य पाठ करने हेतु
विश्वविद्यालय परिसर के छात्र/छात्राएं तथा
संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र/छात्राएं आमन्त्रित हैं।
प्रतिभाग करने हेतु 9651089999 पर
Whatsapp कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।
दिनांक– 04 मार्च 2021
स्थान- आर्यभट्ट समागार, विश्वविद्यालय परिसर
कुलाधिपति
मा. आनंदीबेन पटेल जी
कुलपति
मा. निर्मला एस मौर्य जी
कार्यक्रम संयोजक
डॉ. अनुराग मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर- दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान पी.यू. जौनपुर
मो.- 9451050742
सदस्य कार्यक्रम संचालन समिति
कवि विशाल चौबे अज्ञात
M tech द्वितीय वर्ष, पू.वि.वि. जौनपुर
मो - 9651089999
प्रोफेसर
अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता छात्र कल्याण
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
आयोजक- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर

हम सबने मिलकर साथ
दी है पोलियो को मात
16 मार्च
राष्ट्रीय
टीकाकरण
दिवस
हम सभी संकल्प लें कि जिस प्रकार की सजगता से
हमने भारत से पोलियो का उन्मूलन किया है,
ऐसी ही सजगता एवं निरंतरता भविष्य में भी बनाये रखेंगे...
प्रो० निर्मला एस मौर्य (कुलपति)
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचक विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

(मिशन शक्ति फेज-3 के अन्तर्गत)

महिला अध्ययन केन्द्र एवं मिशन शक्ति

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय कार्यशाला विषय-

" गुड टच एवं बैड टच" तथा "चुप्पी तोड़ो मुँह खोलो"

दिनांक : 30 नवम्बर 2021 समय : 11.30 प्रातः
स्थान : विश्वविद्यालय परिसर नवाचार केन्द्र, फार्मेसी संस्थान

मा. कुलाधिपति एवं
श्री राज्यपाल उ.प्र.

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
मा. कुलपति

: सम्मानित वक्तागण :

डॉ. अंकिता राज
अध्यक्ष आकांक्षा समिति

श्रीमती नीतू सिंह
समाज सेवी

श्रीमती सुलोचना मौर्या
प्रदेश अध्यक्ष महिला शिक्षक संघ

मनोकामना राय
जिला सूचना अधिकारी

नीता सेठ
महिला कल्याण विभाग अधिकारी

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
समन्वयक मिशन शक्ति, वी.बी.एस.पी.यू., जौनपुर

-: कार्यक्रम सहसंयोजक :-

डॉ. विनय वर्मा
सदस्य, महिला अध्यन केन्द्र

डॉ. धीरेन्द्र चौधरी
सदस्य, महिला अध्यन केन्द्र

श्री महेन्द्र कुमार
कुल सचिव

श्री संजय राय
वित्त अधिकारी

श्री व्यास नारायन सिंह
परिक्षा नियंत्रक

मन बदलने के लिए कैदियों से मिले विद्यार्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र और मिशन शक्ति की ओर से मंगलवार को विद्यार्थियों की टीम डा. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला कारागार पहुंचीं। जेल में बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे जानकारी ली। कुलसचिव महेंद्र कुमार, उपकुलसचिव विजय मौर्य और कुलपति के ओएसडी डॉ. केएस तोमर ने हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया।

जिला कारागार में विद्यार्थियों ने बंदियों से बातचीत की। वह कैसे और किस अपराध में जेल में बंद हैं, अपराध के पूर्व उनके मन में क्या भावना थी इसके बारे में जाना। विद्यार्थियों का उनसे मिलने का मकसद उनके मन और विचार में बदलाव लाना है। यह कार्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश और कुलपति निर्मला मौर्या

जिला कारागार में बंदियों से मुलाकात करने जा रहे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक। विज्ञप्ति

पूविवि की टीम को कुलसचिव ने किया रवाना

महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी ने महिला बंदियों की काउंसिलिंग की

की प्रेरणा पर किया गया। महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने महिला बंदियों की काउंसिलिंग की और उन्हें तनाव मुक्त रहने के टिप्स दिए। जेल में खानपान और रहने की व्यवस्था का विवरण भी पूछा गया। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, डॉ. एसपी तिवारी, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. पूजा सक्सेना, डॉ. झांसी मिश्रा, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. रेखा पाल, सोनम झा आदि मौजूद रही।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मिशन शक्ति

महिला अध्ययन केन्द्र

द्वारा आयोजित

स्वरोज़गार मेला

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उ.प्र.

मुख्य संरक्षक

प्रो. निर्मला एस. मौर्य

मा. कुलपति

(बी.बी.एस.पी.यू.)

दिनांक : 01.11.2021 स्थान : विश्वविद्यालय परिसर

: उद्देश्य :

पर्यावरण संरक्षण, गौ संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, स्वदेशी सामग्री को बढ़ावा, तथा आत्मनिर्भर भारत

कुलसचिव

श्री महेन्द्र कुमार

वित्त अधिकारी

श्री संजय कुमार राय

धनतेरस , दीपावली एवं छठ पूजा

के शुभ अवसर पर

विश्वविद्यालय परिवार आप सभी का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता है ।

कार्यक्रम सयोजक

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव

UNIVERSITY, JAUNPUR

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, मंगलवार, 2 नवम्बर, 2021

मेले से विद्यार्थियों का होगा व्यक्तित्व विकास

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में सोमवार को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा स्वरोजगार मेले का आयोजन किया गया। स्वरोजगार मेले का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने किया। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि यह स्वरोजगार मेला विद्यार्थियों में नई चेतना जागृत करेगा।

इस मेले के द्वारा कई संदेश दिए गए हैं भारतीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कौशल का विकास किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास एवं स्वरोजगार से जुड़े विषयों पर विश्वविद्यालय प्राथमिकता से ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने बताया कि स्वरोजगार मेले में लगाए गए स्टाल में देशी गाय के मेवा से निर्मित केक, पूरनपोली, हिमाचल डोंगे, साग सत्तू की सामग्री, मिट्टी के खिलौने, अचार पापड़ आदि सामग्रियां लोगों द्वारा खरीदी गई। विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने खरीदारी की। इस अवसर पर प्रो. बी.बी. तिवारी, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर वंदना राय, प्रोफेसर अविनाश पाथर्डीकर, प्रोफेसर बीडी शर्मा, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमित सिंह, अनु त्यागी, प्रियंका सिंह, सोनम झा, रेखा पाल, विनय वर्मा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

बोलीं कुलपति

विश्वविद्यालय परिसर में किया गया स्वरोजगार मेले का आयोजन

Page 30

स्वरोजगार मेले का उद्घाटन करती कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य।

धान क्रय करने का कार्य शुरू किया जाए : डीएम

जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा धान क्रय के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की गयी और निर्देशित किया कि सभी धान क्रय केंद्रों पर धान क्रय करने का कार्य शुरू कर दिया जाये। बोरा, सीमेंट, कांटे सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की व्यवस्था कर ली जाए। यदि अभी कुछ क्रय केन्द्र खुलने से बाकी है, तो तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए क्रय केन्द्र खोलने की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाये। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि किसान अपने जनपद के किसी भी धान क्रय केंद्र पर अपना धान बेच सकते हैं। प्रत्येक केंद्र के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। बैठक में किसान को केंद्रों पर धान के भुगतान समय सहित अन्य जानकारियों पर किसानों से जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान क्रय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन धान क्रय खरीद की रिपोर्ट

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उ.प्र.

महिला अध्ययन केन्द्र

द्वारा आयोजित

गर्भ संस्कार

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
माननीय कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

दिनांक 23 अक्टूबर 2021, समय- अपराह्न 3:30 बजे
कार्यक्रम स्थल
विश्वविद्यालय परिसर (आर्यभट्ट सभागार)

प्रो. निर्मला एस. मौर्य

माननीय कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

द्वारा

समूह की गर्भवती महिलाओं की गोद भराई

उत्तरापेक्षी

श्री संजय कुमार राय
वित्त अधिकारी
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

श्री महेन्द्र कुमार
कुलसचिव
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

बेटी पैदा होने पर ढोल बजाकर करें स्वागत

पीयू के आर्यभट्ट सभागार में कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्या की देखरेख में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। • हिन्दुस्तान

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- पीयू में समूह की महिलाओं की हुई गोद भराई
- महिला अध्ययन केंद्र द्वारा किया गया आयोजन

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शनिवार को महिला अध्ययन केंद्र द्वारा गर्भ संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें समूह की गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई गई।

कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि गर्भ में बच्चों की देखरेख मातृशक्ति जिस भाव से करती हैं वह सबसे कठिन कार्य है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं गर्भवती हो तो उन्हें पौष्टिक आहार लेना जरूरी है। मुख्य रूप से उन्हें हरी साग सब्जी का सेवन करना चाहिए। जैसा खाएंगे अन्न वैसा होगा मन की कहावत चरितार्थ है। उन्होंने कहा कि जिस मां को बेटी हो वह उनका स्वागत ढोल बजाकर करें। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफ़ेसर बीबी तिवारी ने महिलाओं को शुभ आशीष दिया। कहा कि मां की जगह कोई नहीं ले सकता। कार्यक्रम में शशिकांत त्रिपाठी एवं त्रिभुवन पांडेय ने वैदिक रीति से गर्भवती महिलाओं का गर्भ संस्कार पूर्ण कराया। उन्होंने संस्कार के मंत्रों का पाठ कर लोगों को संकल्प दिलाया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर प्रो देवराज सिंह, डॉ मनोज मिश्र, एनएसएस समन्वयक डॉ राकेश कुमार यादव, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ सुनील कुमार, डॉ विनय वर्मा, शशिकांत यादव, डा. धीरेन्द्र चौधरी, अन्नू त्यागी, डॉ. झांसी मिश्रा, डॉ.पूजा सक्सेना डॉ जया शुक्ला, बबिता, राधा शामिल रहीं।

अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें।
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
बेटी बचाओ अभियान

बेटियों की माताएं हुईं सम्मानित

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला महिला चिकित्सालय उन माताओं को पुष्प, सेनिटरी पैड और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया जिन्होंने बेटियों को जन्म दिया है। मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुई इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के पीयू समन्वयक डॉ राकेश कुमार यादव ने माताओं को सम्मानित किया।

बेटी को जन्म देने वाली महिलाओं का किया स्वागत

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला महिला चिकित्सालय में उन माताओं को पुष्प, सेनिटरी पैड और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया, जिन्होंने बेटियों को जन्म दिया है।

इस मौके पर एनएसएस समन्वयक डॉ. राकेश कुमार यादव ने माताओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना व योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर रागिनी यादव, रंजना, रुखसार, शिवानी, मंजू आदि माताओं ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान डॉ. पूजा सक्सेना, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. पूनम एवं उर्वशी, निरुपमा सिंह आदि रहीं। संवाद

गांव की महिलाओं को जोड़ें: कुलसचिव

जौनपुर | संवाददाता

पूर्वांचल विवि में प्रमाणपत्र वितरण के मौके पर कुलसचिव व छात्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति महिला अध्ययन केंद्र एवं कौशल विकास केंद्र के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को समापन हो गया।

कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि आस-पास के गांव की महिलाओं को भी जोड़ा जाना चाहिए। इससे कुटीर उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। वित्त अधिकारी संजय राय ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित किया।

समन्वयक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने शिविर में भाग लेने वाली महिलाओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किया। प्रशिक्षक डा. रीता तिवारी ने महिलाओं को गोबर से गोधनी दीप, समरानी कप, गणेश लक्ष्मी की मूर्ति मोमबत्ती बनाने की विधि बतायी। संचालन डा. विनय कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर डा. सोनम झा, डा. रेखा पाल, डा. बनिता सिंह. डा. प्रियंका कुमारी, पूजा सक्सेना, उग्रसेन यादव, कुशाग्र श्रीवास्तव, शिवांशु साहू, अंजली मौर्य, वैशाली सिंह, मनीष सरोज मौजूद रहे।

रितेश सिंह, राहुल शुक्ला आदि मौजूद रहे।

सुरक्षा तिवारी के खाते प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। संवाद

के मुताबिक आपूर्ति की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। जिले में एक अक्तूबर

कि खाद का आपूर्ति प्लान और रैक प्लान नहीं मिला है।

गोबर से निर्मित उत्पादों को मिलेगा बाजार

संवाद न्यूज एजेंसी

पूविवि में महिलाओं के लिए आयोजित पांच दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर में मौजूद कुलपति व अन्य महिलाएं। संवाद

जौनपुर। पर्यावरण, गो संरक्षण एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को महिला अध्ययन केंद्र एवं कौशल विकास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिनी निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ।

महिलाओं के लिए शुरू हुए हुए प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि गाय हमारी संस्कृति से जुड़ी है। सनातन धर्म में कोई भी शुभ कार्य बिना पंचगव्य के नहीं होता। विश्वविद्यालय महिलाओं द्वारा गाय के गोबर से निर्मित किए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद करेगा। प्रशिक्षक रीना त्रिपाठी ने कहा कि गोबर से निर्मित उत्पाद पर्यावरण के लिए नुकसानदायक नहीं होते। महिलाओं को गाय के गोबर से दीप, धूपबत्ती, दातौन, मूर्ति,

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

एंटी रेडिएशन चिप बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को आर्थिक संपन्नता देगा। समन्वयिका महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। आचार्य विक्रम देव, डॉ. मनोज मिश्र, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, डॉ. केएस तोमर, डॉ. झांसी मिश्रा, डॉ. विनय मौर्य, डॉ. विजय प्रताप तिवारी, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ. प्रमोद कुमार, संतोष कुमार यादव, राजेंद्र गुप्ता, अभिषेक यादव आदि मौजूद रहे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

श्रीमती आनंदीवेन पटेल
मा. कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

मा. योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उ.प्र. सरकार

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

के उपलक्ष्य में

प्रो. निर्मला एस. मौर्य
मा. कुलपति

नवजात पुत्रियों की माताओं का सम्मान

समन्वयक मिशन शक्ति **डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव** प्रभारी महिला अध्ययन केन्द्र

सदस्य: डॉ. राकेश यादव, डॉ. जगदेव, डॉ. झाँसी मिश्रा, डॉ. पूजा सक्सेना
डॉ. वनिता, डॉ. प्रियंका, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, श्रीमती बबिता सिंह, श्रीमती करूणा निराला, श्री इमाम

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
महिला
मिशन शक्ति

ग्रामीण महिलाओं के हाथ से बने उत्पाद बेचेगा पूविवि

मिलेगा बाजार, आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेंगी महिलाएं

जागरण संवाददाता, जौनपुर : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र के तहत 16 अगस्त को पूर्वांचल सावन महोत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की ओर से हस्त निर्मित उत्पादों एवं खाद्य सामग्री के स्टाल लगाए जाएंगे। ये स्टाल राखी, मोमबत्ती, अगरबत्ती व खिलौने आदि के होंगे।

आयोजन में विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के शिक्षकों के अलावा आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर व प्रयागराज के शिक्षक व शिक्षिकाएं शामिल होंगी, जो इनका अवलोकन करने के बाद पसंद आने पर खरीदारी भी करेंगी। इससे जहां महिलाओं को बाजार मिलेगा, वहीं वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनेंगी। विश्वविद्यालय की तरफ से स्टाल लगाने के लिए कोई शुल्क नहीं ले रहा है। पूर्वांचल सावन महोत्सव में विश्वविद्यालय की तरफ से प्रचार-प्रसार कर लोगों को बुलाया जा रहा है।

कजरी गायन व पारंपरिक झूले का लेंगे आनंद : कार्यक्रम में महिलाओं के कजरी गायन का भी लोग आनंद उठा सकेंगे। इसके साथ ही पारंपरिक झूले में झूलते हुए सेल्फी का आनंद ले सकेंगे।

कुलपति ने उत्पाद खरीदकर की जांच : कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या की तरफ से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के उत्पादों की जांच के लिए पहले स्वयं उत्पाद खरीदा गया। उन्होंने अभी हाल ही में उनकी अपनी बेटी के लिए 2150 रुपये चूड़ी खरीदी। चूड़ी धागे के जरिए हाथ से बनाई गई है। वहीं पूरे परिवार के लिए ढाई हजार रुपये की हस्त निर्मित राखी भी खरीदी। यह 15 रुपये से लेकर 70 रुपये तक की है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की देखरेख में ग्रामीण महिलाओं ने तैयार की राखी ●स्वत

- विश्वविद्यालय में 16 अगस्त को मनेगा पूर्वांचल सावन महोत्सव
- महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में किया जाएगा आयोजन

ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र के जरिए 16 अगस्त को सुबह 11 बजे परिसर में पूर्वांचल सावन महोत्सव मनाया जाएगा। इसमें कुल ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के 15 स्टाल लगाए जाएंगे। इसमें अनरसा, चूड़ी उत्पाद, राखी, अचार, मुरब्बा से जुड़े स्टाल होंगे। जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सके।

-प्रोफेसर निर्मला एस मौर्या, कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय।

आज
जौनपुर
वाराणसी, २६ जुलाई, २०२१

राखी बनानेका दिया गया प्रशिक्षण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल की मंशानुसार एवं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के संरक्षत्व में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विकासखण्ड

महराजगंज के डेल्हूपुर-केवटली गांव की महिलाओं को आने वाले त्योहार रक्षाबंधन के अवसर के लिए राखी बनाने का प्रशिक्षण प्रभारी महिला अध्ययन केंद्र डा. जाह्नवी श्रीवास्तव के नेतृत्व में शास्त्री मौर्य एवं शिखा मौर्य द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं में भावना एवं आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल थी। आने वाले राखी के त्योहार को लेकर महिलाओं में बहुत उत्साह भी दिखा। प्रशिक्षण के उपरांत में डा. राकेश कुमार यादव ने प्रशिक्षकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका यह योगदान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर
महिला अध्ययन केन्द्र
स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता
दिनाक 9 जुलाई 2021
डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव
प्रो. निर्मला एस. मौर्य

परमपूज्य प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) के जन्मदिवस पर आयोजित
रज्जू भइया स्मृति व्याख्यानमाला-2
दिनांक : 29.01.2021, शुक्रवार, प्रात: 11 बजे
सारस्वत अतिथि
प्रो0 बालकृष्ण अग्रवाल F.N.A., F.N.A.Sc.
पूर्व विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता
प्रो0 सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा
पूर्व कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची
एवं महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
संरक्षक
प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य
माननीया कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर
विशिष्ट अतिथि
प्रो0 (डॉ0) राजाराम यादव
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
स्थान
आर्यभट्ट सभागार
रज्जू भइया संस्थान
आयोजक
प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय,जौनपुर
विशिष्ट अतिथि
श्री शतरुद्र प्रताप सिंह
सांसद
शासी निकाय, नेहरु युवा केन्द्र संगठन
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
के जनसंचार विभाग द्वारा
अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के अवसर पर
आयोजित वेबिनार

मातृ भाषा के संवर्द्धन में अनुवाद की भूमिका

21 फरवरी 2021, प्रातः 10:00 बजे से

कार्यक्रम

1-माननीय अतिथिगण का स्वागत एवं परिचय
डॉ मनोज मिश्र , संयोजक

2- प्रो0(डॉ)निर्मला एस0 मौर्य,माननीय कुलपति जी का उदबोधन

3-मुख्य अतिथि जी का उदबोधन-
प्रो0 (डॉ) वशिष्ठ अनूप, बीएचयू , वाराणसी

4-विशिष्ट अतिथि जी का उदबोधन -
डॉ0 कायनात काजी,प्रख्यात यात्रा लेखिका,नई दिल्ली

धन्यवाद ज्ञापन – डॉ सुनील कुमार

One day e-webinar on topic “Pt. Deen Dayal Upadhyaya Ji Ka Aarthik Evam samajik Chintan” on 22.09.2020

One day National Conference on Ekatm Manav Darshan

During 25.09.2029

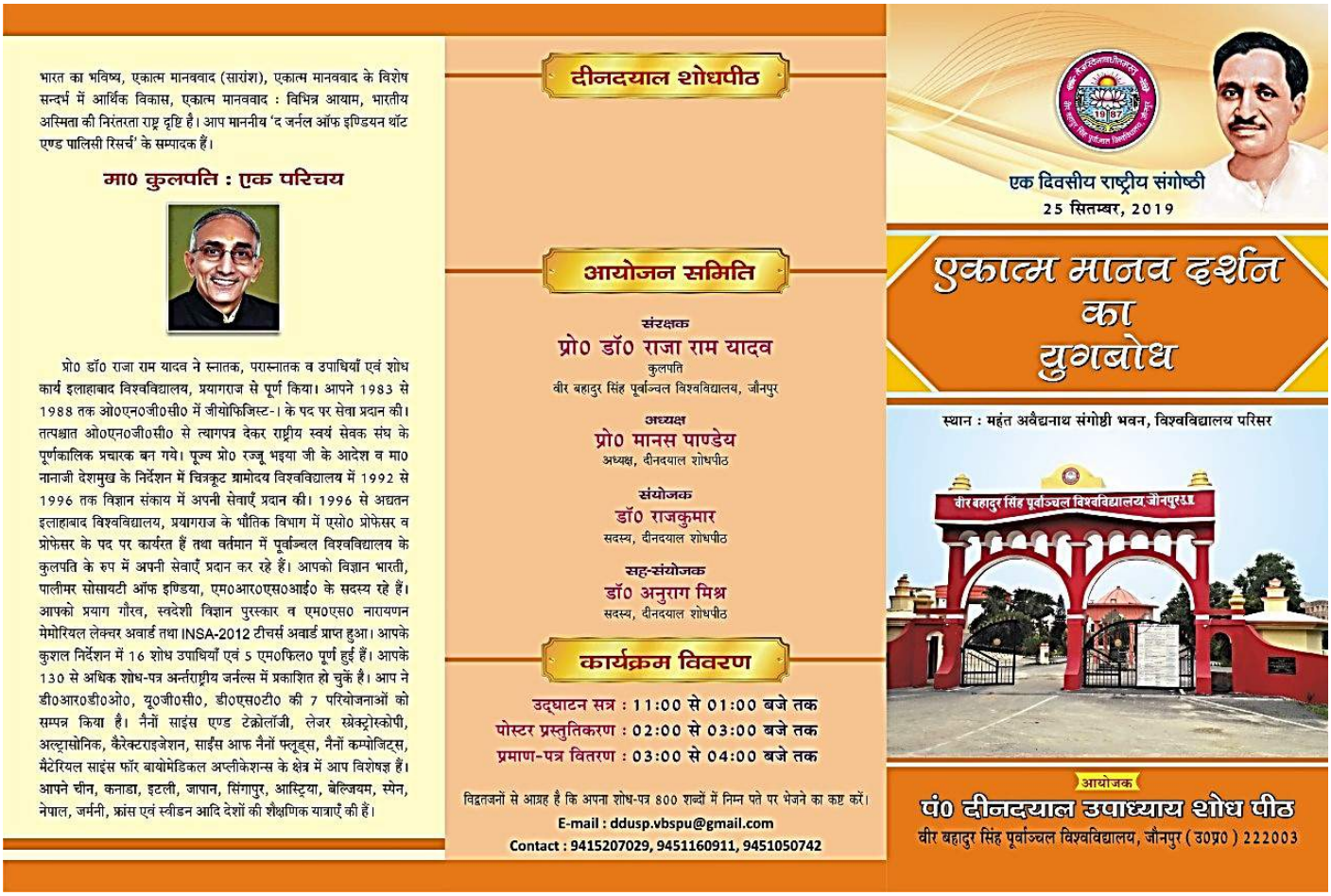

विश्वविद्यालय एक दृष्टि में

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व0 वीर बहादुर जी के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005/15-10-87-15(15)-86 टी.सी. दिनांक 28 सितम्बर 1987 के तहत 2 अक्टूबर 1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयन्ती के पावन पर्व पर की गई। विश्वविद्यालय जौनपुर शहर से लगभग 12 कि0मी0 दूर जौनपुर-शाहगंज मार्ग पर देवकली-जासोपुर ग्रामसभा में स्थित है। विश्वविद्यालय को वर्ष 2016 में नैक द्वारा 'बी प्लस' ग्रेड प्रदान किया गया।

वर्तमान में पूर्वांचल के 4 जनपदों के महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की 6 शाखा - इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेण्टेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा बी0फार्मा0 की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम0सी0ए0, एम0बी0ए0, एम0बी0ए0 (बी0ई0), एम0बी0ए0 (एग्री बिजनेस), एम0बी0ए0 (ई-कामर्स), एम0बी0ए0 (एफ0सी0), एम0बी0ए0 (एच0आर0डी0), एम0टेक0, एम0ए0 (मास कम्यूनिकेशन), व्यवहारिक मनोविज्ञान, एम0एस0सी0 (बायो-टेक्नोलॉजी), पर्यावरण विज्ञान, माइक्रो-बायोलॉजी, विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में एम0एस0सी0 (फिजिक्स), केमिस्ट्री, मैथमैटिक्स, अर्थ एवं प्लेनेटरी साइंस विभाग के अन्तर्गत एम0एस0सी0 (अप्लाइड जियोलॉजी), बी0सी0ए0, एम0सी0ए0 एवं इंटीग्रेटेड बी0ए0 एल0एल0बी0 (आनर्स) व कला संकाय में संगीत, योग, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र के साथ स्नातक तथा बी0काम0 (आनर्स) व बी0एस0सी0 का अध्ययन व अध्यापन हो रहा है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं।

एकात्म मानव दर्शन का युगबोध

15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तब भारत के समक्ष यह प्रश्न खड़ा हुआ कि भारत अपने विकास का कौन सा मॉडल चुनें? तत्कालीन वैश्विक राजनीति दो विपरीत विचारधाराओं के संघर्ष से गुजर रही थी। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में अनियंत्रित पूंजीवाद अग्रसर हो रहा था, तो वहीं दूसरी ओर वर्ग संघर्ष पर आधारित साम्यवादी विचारधारा समाज में प्रतिक्रिया एवं प्रतिशोध को जन्म दे रहा था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी इन दोनों विचारधाराओं को नकार देते हैं। उनके अनुसार यह दोनों विचारधाराएँ मनुष्य को आत्म केन्द्रित बनाती है, जो मात्र अपने सुख की चिन्ता करता है। व्यक्ति की भौतिक आवश्यकताओं को केन्द्र में रखकर विचार करने के कारण ये विचारधाराएं सम्पूर्णता की ओर नहीं बढ़ सकती। ये विचारधाराएँ प्रकृति का दोहन सिखाती है तथा मनुष्य को मनुष्य के विरुद्ध खड़ा करती है इसीलिए पण्डित जी ने स्वतंत्र भारत के लिए भारतीय वैदिक संस्कृति के मूल तत्व 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', वसुधैव कुटुंबकम, त्येन त्यक्तेन भुंजीथाः, सहनाववतु सहनौ भुनक्तु से अनुप्राणित 'एकात्म मानववाद' का दर्शन प्रस्तुत किया। पंडित जी मानते थे कि पूरा ब्रह्माण्ड एक तत्व से जुड़ा है। व्यक्ति परिवार से, परिवार समाज से, समाज देश से, देश दुनियाँ से और दुनियाँ ब्रह्माण्ड से जुड़ा है। सब परस्पर निर्भर हैं। इसीलिए एकात्म मानव दर्शन पर आधारित समाज में सभी बिना एक दूसरे को नुकसान पहुँचाये रचनात्मक कार्यों में संलग्न रहेंगे। तत्कालीन राजनीतिक पंडितों ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की वैचारिकी को अनसुना कर दिया, किन्तु सोवियत संघ के विघटन के बाद बेलगाम हुई वैश्विक बाजार व्यवस्था ने मनुष्य के मन, मस्तिष्क एवं व्यवहार को वित्तीय पूँजी के आचरण में ढंक लिया है। नव्यलेसेज फेयरबाद ने उसकी अल्पना प्रवणता को मार दिया है। उसका जीवन यांत्रिक होकर संरचनावादी रूप ले लिया है जो उसी के अस्तित्व को टुकड़े-टुकड़े कर के चबा रही है। पारिवारिक विघटन, मानसिक तनाव, अवसाद, प्रकृति का शोषण, हिंसा, हत्या, बलात्कार, प्राकृतिक आपदा, प्रदूषण, जल संकट आदि अन्यान्य समस्या खड़ी हो गई हैं, जिस कारण से देश-दुनिया के तमाम राजनीतिक व सामाजिक चिंतकों का ध्यान पं0 दीनदयाल जी के एकात्म मानव दर्शन की ओर गया है, जो वर्तमान में उत्पन्न सभी संकटों का समाधान करने वाला संपोषित विकास का मॉडल प्रस्तुत करता है।

मुख्य अतिथि : एक परिचय

प्रो0 महेश चन्द्र शर्मा जी का जन्म राजस्थान के चुरु कस्बे में 7 सितम्बर, 1948 को हुआ। आपने बी0ए0 (आनर्स) हिन्दी, एम0ए0 एवं पी-एच0डी0 राजनीति शास्त्र विषय में किया। 1973 में प्राध्यापक की नौकरी छोड़कर आप राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक बने। आपातकाल में अगस्त 1975 से अप्रैल 1977 तक जयपुर जेल में 'मीसा' बन्दी रहे। 1977 से 1983 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में उत्तरांचल के संगठन मंत्री का कार्य किया तथा 1983 से 1986 तक राजस्थान विश्वविद्यालय से 'दीनदयाल उपाध्याय का राजनीतिक जीवन चरित्र-कृतित्व' विषय पर पी-एच0डी0 उपाधि प्राप्त की। आप साप्ताहिक 'विश्ववार्ता' व 'अपना देश स्वंय' नियमित रूप से भारत के प्रमुख समाचार पत्रों में लिखते रहे हैं। आप सन् 1986 में दीनदयाल शोध संस्थान के सचिव बने तथा शोध पत्रिका 'मंथन' व 'अखण्ड भारत स्मरणिका' का संपादन किया। आप 1996 से 2002 तक राजस्थान से राज्यसभा सदस्य एवं सदन में भाजपा के मुख्य सचेतक रहे तथा 2002 से 2004 तक नेहरु युवा केन्द्र के उपाध्यक्ष, 2006 से 2008 तक भाजपा राजस्थान के अध्यक्ष, 2008 से 2009 राजस्थान विकास एवं निवेश बोर्ड के अध्यक्ष व एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष के रुप में कार्य किया तथा भाजपा, तीन दयाल समय के प्रभारी भी बने।

विशिष्ट अतिथि : एक परिचय

डॉ0 चन्द्र प्रकाश सिंह, निदेशक, अरुंधती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ, प्रयागराज का जन्म उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद के बनजरिया ग्राम में 15 जुलाई, 1976 में हुआ। आपने अपनी परास्नातक तक की पढ़ाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज से तथा पी-एच0डी0 गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार से प्राप्त की। आपकी महत्वपूर्ण कृतियाँ वेद एवं विभिन्न सम्प्रदाय, एकात्म दृष्टि

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)
पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ
'एकात्म मानव दर्शन का युगबोध'

Alumni Meet-2018

Report

National Conference
On
Indian University Education System

Date: 28-30 October, 2017

Prof. Dr. Rajaram Yadav
Vice-Chancellor

Dr. V.D. Sharma
Chairman

Dr. Avinash D. Pathardikar
Convener

V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur

www.VBS Purvanchal University.ac. in

1

VBS Purvanchal University, Jaunpur

Website: www.vbspu.ac. in

National Conference
on
Indian University Education System (NCIUES-2017)

Organizing Committees

Patron: Prof. Dr. Rajaram Yadav, Vice Chancellor
Chairman: Dr. V.D. Sharma, Dean, FMS
Convener: Dr. Avinash D. Pathardikar, Head, HRD
Treasurer: Dr. Ajai Pratap Singh, Dean, Applied Social Sciences
Organizing Secretary: Dr. Rajesh Sharma, Biotechnology
Coordinator: Dr. R.N. Ojha, TD PG College, Jaunpur
Members: Dr. SK. Singh, Principal, PG College, Mariyahu, Dr. Puneet Dawan, Information Scientist

Welcome Committee
- Prof. B.B. Tiwari, Engineering
- Dr. Manas Pandey, FMS
- Dr. A.K. Srivastava, Engineering
- Dr. Vandana Rai, Science

Stage Management Committee
- Dr. Ashutosh Kr. Singh (Coordinator)
- Dr. Alok Dash, Pharmacy
- Mrs. Pooja Saxena, Pharmacy
- Mr. Ashok Singh, Sports
- Mr. Dheeraj Srivastava, Sangoshthi Bhawan

Accommodation Committee
- Dr. Surjeet Yadav (Coordinator)
- Dr. Sanjay Srivastava, Exam.
- Mr. Laxmi Shankar Yadav

Transportation/S.P.G. & Crew Facilitation Committee
- Dr. A.K. Srivastava (Coordinator)
- Dr. Rajkumar Soni
- Dr. Avadh Bihari Singh, Mass Communication
- Mr. Kapil Tyagi

Kulgeet and National Anthem & Rangoli Committee
- Dr. Ramnaraian (Coordinator)
- Ms. Pooja Saxena
- Dr. Rushda Azmi

Garlanding on Statue
- Dr. Amrendra Kumar Singh, Engineering
- Dr. Rajesh Singh, Sports

Invitation Distribution and Correspondence Committee
- Dr. Samar Bahadur Singh, TD PG College (Coordinator)
- Dr. Vijay Bahadur Singh, TDPG College
- Dr. Kapildev Singh
- Dr. Rakesh Yadav, NSS Coordinator
- Dr. Bidyut Mal, Library
- Mr. Anil Srivastava, Affiliation

Reception/Registration & Certificate Distribution Committee
- Dr. Murad Ali (Coordinator)
- Dr. Raj Kumar Soni, Engineering
- Dr. Indresh Kumar, Library, FMS

Cultural Programme Committee
- Dr. Rajnish Bhaskar
- Dr. Manoj Mishra
- Dr. Rashikesh
- Dr. Jhansi Mishra

Lunch and Refreshment Committee
- Dr. Surjeet Yadav, (Coordinator)
- Dr. Dharmendra Kumar, Pharmacy
- Mr. Preveen Kumar Singh, Engineering
- Mr. Sanjeev Gangwar
- Dr. Vinay Kumar Vema
- Dr. R.K. Jain

Media Management/Printing Committee
(Souvenir, Folder, Invitation, Certificate, Recording)
- Dr. Ajay Prtap Singh (Coordinator)
- Dr. Manoj Mishra, Mass Communication
- Dr. Digvijay Singh Rathore, Mass Communication

Technical Session Committee
- Dr. Murad Ali (Coordinator)
- Dr. Saurabh Pal
- Dr. Alok Singh, FMS

Discipline Committee
- Dr. Santosh Kumar (Proctor)
- Dr. Kartikeya Shukla, Environmental Science
- Ms. Puja Saxena, Pharmacy
- Dr. Awadh Bihari Singh, Mass Communication
- Mr. Pramendra V. Singh, Business Management

Auditorium Seating Arrangement Committee
- Dr. Rajesh Sharma, Science
- Dr. S.P Tiwari, Science
- Mr. Rishi Srivastava, Science

Souvenir Publication and Fund Raising Committee
- Mr. Sanjeev Singh, DR
- Dr. Dinesh Singh, Ghazipur
- Dr. Rajkumar Soni
- Dr. Manoj Mishra
- Dr. Digvijay Singh Rathore

Parking Committee
- Dr. Munindra Singh, Engineering
- Mr. Rajesh Kumar, FMS

Introduction

India's Higher Education System is the third largest in the world, next to the United States and China. The main governing body at the tertiary level is the University Grants Commission, which enforces its standards, advises the government, and helps to coordinate between the centre and the state. Accreditation for higher learning is overseen by 12 autonomous institutions established by the University Grants Commission (UGC).

Indian Higher Education System has expanded at a fast pace, India has 799 universities, with a break up of 44 central universities, 540 state universities, 122 deemed universities , 90 private universities, 5 institutions established and functioning under the State Act, and 75 Institutes of National Importance which include AllMS, llT's and NIT's among others. Other institutions include 39,071 colleges as Government Degree Colleges and Private Degree Colleges, including 1800 exclusive women's colleges, functioning under these universities and institutions as reported by the UGC in 2016. Indian Higher Education is in need of radical reforms. A focus on enforcing higher standards of transparency, strengthening of the vocational, doctoral education pipeline and professionalization of the sector through stronger institutional responsibility would help in reprioritizing efforts and working around the complexities. The rise of IT sector and engineering education in India has boxed students into linear path without giving them a chance to explore and discover their passions. Concerted and collaborative efforts are needed in broaden student choices through liberal arts education. The Content delivery will have a mix of lectures, demonstration; interactive sessions address disciplinary and interdisciplinary instructional strategies, outcomes, and research. Ultimately, the conference is an opportunity to demonstrate effective instructional practice and disseminate the latest research aimed at improving the quality of higher education. We are excited to offer the Conference on Indian Universities Education System.

Inaugural Function

Date: 28th October, 2017 **Time: 10.00 to 11.30 pm** **Venue: Sangosthi Bhavan**

Chief Guest: Shri. Ram Naik Ji, Honorable Chancellor and Governor, Uttar Pradesh

Chair Person: **Prof. Dr. Raja Ram Yadav,** Vice Chancellor, VBS Purvanchal University Jaunpur

Guest of Honour: **Prof. Ramesh Chandra**, University of Delhi, Delhi

Special Guest: **Dr. Deena Nath Singh**, Executive Council Member, VBS Purvanchal University Jaunpur

Summary:

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के **राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक** ने अपने संबोधन में कहा

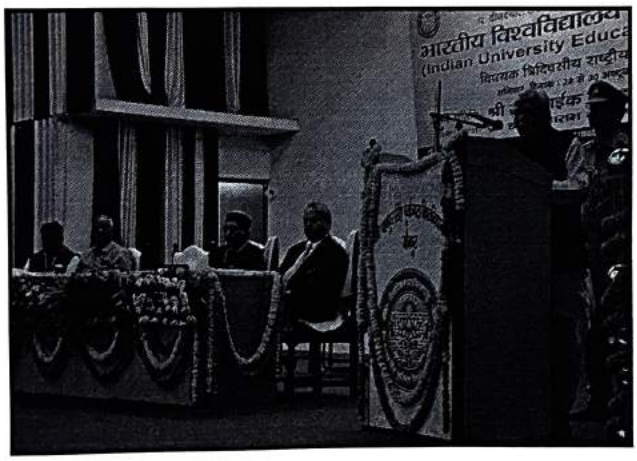

कि किसी भी देश की प्रगति में वहां की शिक्षा पद्धति का विशेष योगदान होता है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे पास सबसे बड़ी पूंजी के रूप में युवा है, संख्या शास्त्र बताता है कि 2025 में भारत विश्व की सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश होगा | इसका उपयोग शिक्षा के माध्यम से ही करना होगा । उन्होंने कहा कि देश का जिम्मा युवाओं के हाथ में है इन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है यह काम शिक्षा संस्थान ही कर सकते हैं । उन्होंने कहा कि संगोष्ठी का विषय प्रासंगिक और उपयोगी है । ऐसे में जो भी विचार आए उसके निष्कर्ष मुझे भी भेजे जाएं ताकि मैं उसे अमल मे ला सकूं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शोध कराने की फैक्ट्री ना बने इसके बजाय उसे शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर देना चाहिए । इसी को ध्यान में रखकर मैंने कुलपति गण की बैठक बुलाई। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि पहले शिक्षा और नर्सिंग के क्षेत्र में महिलाएं नौकरी करती थी अब वह पुलिस -सेना से लेकर बड़े बड़े पदों पर कुशलता के साथ सेवारत हैं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को ऐतरेय ब्राह्मण के सूत्र चरैवेति चरैवेति - चलते रहो का मंत्र दिया।

विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के **पूर्व कुलपति प्रो रमेश चंद्रा** ने कहा कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था बदलाव के राह पर है। हम विश्व में टॉप फाइव पर आने के इच्छुक हैं ।इसके लिए हमें कड़ी मेहनत की जरूरत है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था और शासन की नीतियों का वर्णन करते हुए दोनों के बीच सामंजस्य पैदा करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मानदेय शिक्षकों से शिक्षा की गुणवत्ता को नहीं बढ़ाया जा सकता।

विशिष्ट अतिथि कार्य परिषद के सदस्य डॉ दीनानाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा मन का भाव है। यह जब मन में सार्थक भाव आता है तो सृष्टि होती है। ।पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उन्होंने मनीषी बताते हुए कहा कि प्रतिभाशाली छात्र होते हुए भी उन्होंने अपनी सारी डिग्रियों को ढिबरी में जला कर देश के पुनर्निर्माण में लग गए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के लिए सुसंवाद का होना जरूरी है नहीं तो उसके मूल्य मर जाएंगे।

अतिथियों का स्वागत करते हुए **कुलपति प्रोफेसर डॉ राजाराम यादव** ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियों को अर्जित कर रहा है। देश का यह पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां शोध की गुणवत्ता को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय ने अपने स्रोत से पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप की व्यवस्था की है। परिसर में सांस्कृतिक एवं नैतिक संचार हेतु श्री राम कथा प्रवचन का आयोजन करने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि यहां के विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाय। इसके लिए शीघ्र ही नए पाठ्क्रम प्रारम्भ किये जा रहे हैं।

धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के संयोजक डॉक्टर अविनाश पाथर्डीकर एवं संचालन मीडिया प्रभारी डॉ मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर बी.बी. तिवारी,डालमिया कॉलेज मुंबई प्राचार्य डॉ एन एन पांडेय,वित्त अधिकारी एम् के सिंह,कुलसचिव संजीव सिंह, प्रो आर एन त्रिपाठी, प्रो आर एन सिंह, डॉ यूपी सिंह , डॉ लालजी त्रिपाठी,डॉ जगदीश चंद्र दीक्षित,डॉ बी डी शर्मा, डॉ राजीव प्रकाश सिंह, डॉ समर बहादुर सिंह,डॉ विजय कुमार सिंह, डॉ अजय दुबे, डॉ अखिलेश्वर शुक्ला ,डॉक्टर अजय द्विवेदी, डॉ सुनील कुमार, डॉ ए के श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र विक्रम यादव, राकेश यादव, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ दिनेश सिंह, डॉ संतोष कुमार, डॉ आर.एन. सिंह , डॉ ए के सिंह,डॉक्टर अवध बिहारी सिंह समस्त विद्यार्थी कर्मचारी मौजूद रहे ।

कविता संग्रह का हुआ विमोचन

कुलपति प्रो राजा राम यादव और डॉ पुनीत धवन द्वारा संपादित आशु कवि दरबारी लाल यादव की रचनाओं का विमोचन कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल राम नाईक के हाथों किया गया।

प्रधानमंत्री ने भेजा सन्देश

तीन दिवसीय सम्मेलन के स्मारिका का प्रकाशन हुआ। स्मारिका में देश के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ,राज्यपाल राम नाईक, उपमुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा, कुलपति प्रो डॉ राजा राम यादव के संदेश को भी प्रकाशित किया गया है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन के लिए प्रेषित अपने संदेश में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि समय के साथ बदलती चुनौतियों को देखते हुए विश्वविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था में रचनात्मक बदलाव स्वभाविक है। विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को विश्वस्तरीय बनाने के लिए सरकार प्रयासरत है। अगले 5 सालों में 10 निजी और 10 सरकारी विश्वविद्यालयों को दस हजार करोड़ रुपए का फंड दिया जाएगा। स्मारिका में शोध सरांशिका और कार्यक्रम विवरण प्रकाशित किया गया है। इसके संपादक मंडल में डॉ अजय प्रताप सिंह, डॉ राजेश शर्मा, डॉ मनोज मिश्र, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ सुधीर उपाध्याय, ,शैलेश प्रजापति ,मनीष सिन्हा शामिल है।

उच्च शिक्षा के विविध आयामों पर हुई चर्चा

सम्मेलन में पहले दिन उच्च शिक्षा की स्वायत्तता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उच्च शिक्षा का निजीकरण विषयों पर चर्चा हुई। जिसमें डालमिया कॉलेज मुंबई प्राचार्य डॉ एन एन पांडेय,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो आर एन सिंह और डॉ जगदीश सिंह दीक्षित ने अपने विचार व्यक्त किये।

Plenary Session-1

Theme: Autonomy of Higher Education: Challenges and Opportunities

Date: 28th October, 2017 **Time: 12.00 to 01.00 pm** **Venue: Sangosthi Bhavan**

Keynote : **Prof. R. N. Singh,** Department of Psychology, BHU, Varanasi

Chair Person : **Dr. Jagdish Singh Dixit (Retd.)**, TD PG College, Jaunpur

Guest of Honour: **Dr. N. N. Pandey**,Principal,PD Lions College, Mumbai

Co-chair Person: **Dr. V. D Sharma**, Dean, FMS, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Rapporteur : **Ms. Simpal Kumari**, Deptt. Of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In plenary session first Keynote address was given by Prof.R.N Singh, in his keynote address he emphasized the role of autonomy in shaping the future of higher education in the country. He highlights about the various institutions and their regulatory authorities, a vast majority of educational institutions are still under the shackles of multi regulatory bodies like UGC, AICTE, PCI, MCI amongst others. As a result most of the higher educational institutions spend their time more on complying with these regulatory bodies rather than focusing their efforts towards academic accomplishments.

Dr. N. N. Pandey stressed the role of autonomy for achieving excellence. He cited the example of his college which boasted of seven thousand students, all in the area of commerce and allied subjects. He said that autonomy are more favorable to specialized institutions rather than to those who offer an array of courses. In a developing country like India, absence of government funding proves to be major hurdle in developing autonomy.

Dr.Jagdish Singh Dixit said that autonomy was perfect for improving the educational standards. He however cautioned that autonomy may result in malpractices amongst the

institutions which will degenerate the quality. Autonomy should go hand in hand with responsibility. Otherwise the fruits of autonomy are bound to fail.

Dr.Murad Ali, Head, Department of Business Management welcomed the guests and coordinated the session. Dr.V.D. Sharma, Dean, FMS, proposed the vote of thanks. Ms. Simpal Kumari, Faculty, Dept. of Biotechnology reported the event.

Technical Session-I

Theme: Quality of Higher Education: Issues and Challenges

Date: 28th October, 2017 Time: 2.00 to 3.30 pm Venue: Vishweshwaraiya Hall

Keynote : **Dr. Deena Nath Singh**, Executive Council Member, VBS Purvanchal University, Jaunpur
Chairperson : **Dr. Ranajana Prakash**, Placement Director, VBS Purvanchal University, Jaunpur
Co-chair Person : **Dr. Santosh Kumar**, Deptt. of Physics, VBS Purvanchal University, Jaunpur
Rapporteur : **Mr. Kamlesh Maurya**, HRD, FMS, VBS Purvanchal UniversitY, Jaunpur
Coordinator : **Dr. Murad Ali**, Head, Deptt. of Business Mngt, Jaunpur
Session Coordinator: Dr. Saurabh Pal, Head, MCA, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In this session Keynote address was been given by Dr. Deena Nath Singh, he started with a story of Sukraat and his worship of goddess Sharaswati for clearing his doubt. Then he highlights about the value of self awareness and evolution through a short story. He highlights about the issue of present education system turned as business activity rather as service, major cause behind this is over autonomy. Autonomy in education system needs some boundary for maintaining the respect for education learning. In his address he also highlights about trueness in autonomy, for experiential learning.

After keynote address chair of the session Dr. Ranjana Prakash acknowledged the keynote session she talks about the API system its objective, importance, and its relationship with the students learning. She highlights about the demolishing of our

Sanskrit from education system. She told about value of **PRATHANA** in learning process. Then she told that "Character Building" should be the main objective of the education system. Finally she talked about the importance and improvement, and drawbacks of industry related education in today's context.

Dr.Murad Ali, Head, Department of Business Management coordinator of the session, welcomed the guests and coordinated the session. **Kamlesh Kumar Maurya**, Faculty, Dept. of HRD,FMS reported the event. In this session total 9 research papers has been presented below are the details.

Details of paper presented

Sl.	Name	Topic
1	Swati Singh Parmar,	The plight of education in contemporary India: A study
2	Anumeha Sahai	Demystifying the Indian education system with special reference to Indian universities
3	Dr.V.D. Sharma	Chanakya & his six principles of spiritual management :
4	डॉ.विक्रमदेव, विदुषी शर्मा	भारतीय विवि शिक्षा एवं सामाजिक सरोकार आर्थिक : एवं सांस्कृतिक प्रबंधन के संदर्भ में
5	Dr. Murad Ali	Impact of macro environmental factors on quality of higher educational services in India-
6	Amar Singh Rrana	Scenario of present education system: a comparative study of Uttar Pradesh and its neighboring states
7	Dr. V D Sharma Nidhi Sonkar	Student union and its importance in Indian Universities
8	Dr. Santosh Kumar	Role of Science and Technology in Indian Education System
9	डा॰ कल्पना सिंह	भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति

Technical Session- II

Theme: Privatization of Higher Education

Date: 28th October, 2017 Time: 3:45-5:00pm Venue: Vishweshwaraiya Hall

Keynote	:	**Dr. Jagdish Singh Dixit,** TD PG College, Jaunpur
Chairperson	:	**Dr. Akhilesh Chandra,** Maltari PG College
Co-chair Person	:	**Dr. Ashutosh Singh,** Dept. of Business Economics, VBS Purvanchal University, **Jaunpur**
Rapporteur	:	**Simple Kumari, Dept of Biotechnology, VBS** Purvanchal University, **Jaunpur**
Coordinator	:	**Dr. Murad Ali,** Head, Dept. of Business Management, Jaunpur
Session Coordinator	:	**Dr. Rashi Kesh**, Faculty, HRD, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In technical session II Keynote address was given by Dr. Jagdish Singh Dixit, in his keynote address he emphasized about the challenges in higher education system. He highlights about the teachers recruitment, staffing, library facilities, laboratory assistant and many infrastructural challenges in colleges as well in universities. He suggested about proper fund allocation by state and central government. In his address he also talks about role of technology in fair examination and evaluation system. He advocates about opening of new universities in each district though it may be private or government.

In this series Dr. Akhilesh Chandra highlights about the importance of quality of education. He focused on issues related to low ranking in quality education. Dr. Chandra talks about teacher's quality in term of teaching and research. He also talks about teacher's character and his behavior during students interactions. He highlights the role of teacher's consciousness and alertness while communicating with students for their overall development. Dr. Chandra also gives the example of Dr. Vijay Kumar Chaturwedi ji medical College top ranking and related factors in that.

Dr.Murad Ali, Head, Department of Business Management coordinator of the session, welcomed the guests and coordinated the session. **Dr. Rashi Kesh**, Faculty, HRD, VBS Purvanchal University, Jaunpur proposed the vote of thanks. **Ms. Simple Kumari,** Dept.

of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur reported the event. In technical session II total 10 research paper has been presented following are the details.

Details of paper presented

Sl.	Name	Topic
1	Dr. Bidyut K. Mal Dr. R.P. Bajpai Jyoti Kumar Singh	Role of University Libraries in Higher Education System in India
2	शिवम सिंह	भारतीय विश्वविद्यालय में छात्र अध्यापक सम्बन्ध
3	Praveen Kumar Mishra	Investigating the Relationship of OCB with Job Satisfaction Organizational Commitment and Turnover Intensions with Special Reference to Teaching Staff of Universities of India
4	Akhilesh Sharma Shastri Arun Kumar Sanjay Kumar Singh	Role of Student Union in the Governance of University
5	Ashok Kumar Srivastava Ram N Yadav Amrendra Kumar Singh	Indian University System: History and Current Prospective
6	Dr Reena Singh Arti Negi	Higher education in India with special reference to management courses
7	Dr Reena Singh Ms. Gaganjot Kaur	Status of Indian University Education System ,
8	Ankita Mandolia	Digitalization of higher education in India and its impact
9	Dr Reena Singh Ajanta Giri	Indian higher education and research in 21st century
10	Swadesh Deepak	Globalization and its Impact in Universities in India

Technical Session-III

Theme: Changes in Higher Education System

Date: 29th October, 2017 Time: 9:30- 11:00 Venue: Vishweshwaraiya Hall

Keynote : **Prof. Kuldeep Chandra Agnihotri**, Vice Chancellor, Central University, Himachal Pradesh

Chairperson : **Mr. Ratnakar Singh,** Social Activist and Social Thinker

Co-chair Person : **Dr. Ajay Dwivedi**, Dept. of Financial Studies, Jaunpur

Rapporteur : **Ms. Shweta Sonam**, Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University Jaunpur

Coordinator : **Dr. Murad Ali**, Head, Dept. of Business Mgmt, Jaunpur

Session Coordinator: Dr. Alok Singh, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In technical session 3rd Keynote address was given by Prof. Kuldeep Chandra Agnihotri. In his address he told about the importance of asking question and clearing silly doubts is a necessary component for the mental development of student by giving example of Mahabharata (question of Arjuna and answer of Lord Krishna). The education systems which have capability to raise question also have ability to improve the education system and the question always rise in mind in mother language. Present education system is only job oriented. He also tells about why is it necessary to respect our culture and language so the aim of education should be completed on moral values. The must be curious for learning and innovation. It is necessary to develop natural skill of student so that India may attain its glory and reputation.

After Prof. Agnihotri, Mr. Ratnakar Singh speaks, about teaching methodology, based on one goal one method and one mission. He tells that India is known for its liberal nature. The aim of life should be for human welfare and not for getting any prize. He says "sarvebhavantu sukhenah, savervebhavantu nirahmayh". Indian believes in **Vashudhaya khutumbhakam**. Sanskrit is only language suitable for computer because it has ability to

concise the long sentence in short sentence. There is need to visualized India in Indian vision.

Dr. Murad Ali, Head, Dept. of Business Mgmt, Jaunpur coordinator of the session, welcomed the guests and coordinated the session. **Dr. Alok Singh**, Dept of Business Mgmt, VBS PURVANCHAL UNIVERSITY, Jaunpur given the vote of thanks **Ms. Shweta Sonam**, Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University Jaunpur finalze the reporting of the session. In technical session III total 12 research papers has been presented, below are the details.

Details of paper presented

Sl.	Name	Topic
1	जयन्त कुमार पाठक	भारतीय विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था.
2	Shivani Singh	Radical reforms in Indian University Education system
3	ईशू श्रीवास्तव सैफ़ ऊल हक़	समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका
4	Dr.Jhansee Mishra Alok Kumar Dash	Indian Educational System: A comparative study between ancient and current education
5	Neeraj Dubey Richa Sinha	Role of education in customer awareness in retail outlets
6	Vinay Kumar Yadav	An overview of Student Unions in Indian Universities with a focus on its Strategic Activities arrange and the Role of Lyngdoh Committee
7	Divyendu Kuma Mishra	Review of Technical Education Quality Improvement Programme
8	Pallavi Srivastava	Higher education in India and its psychological introspection
9	शुभम चौबे	भारतीय शशक्षा के बदऱते स्वरुप
10	Beena Rani Singh	Admission Procedure in Indian Universities
11	अभिषेक सिंह	प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में पाठ्यक्रम.
12	डॉ० अखिलेश्वर शुक्ला	देश के विकास में उच्च शिक्षा, एक चुनौती

Plenary Session-2

Theme: Pt. Deendayal Upadhyay and his ideology on Higher Education

Date: 29th October, 2017 Time: 11.00 to 12.00 pm Venue: Vishweswariya Hall

Keynote : **Dr. Deena Nath Singh**, EC Member, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Chairperson : **Mr. Suneel Bharala**, Social Activist and Thinker

Co-chair Person: **Dr. Ram Narain**, Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Rapporteur : **Ms. Pratima Srivastwa**, Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In plenary session-II Dr. Deena Nath Singh presented the keynote address, in his speech he tells about the difference between religions and community. He highlights the challenge involved with private institute over the government institute. He talks about equality in education system in terms of syllabus, fees, facilities and infrastructure by putting the example of US education system. He told about the IIT, IIM, NIT & IISc institute are dominating over the state and central university in the case of funding from Government of India. In his speech he advocates about the need to improve quality of teacher as well as student. Government has started "Lab to land "that means go out from Lab in land so that the Pearson can carry active work and solved some emerging problem. He also quotes about the challenges due to higher population.

In this series social thinker Sunil Bharala given his speech, he focused on poor and down trodden person education. Sunil Bharala spokes about the Indian status in education and its impact on social status. India is third in world for education after china and America. According to his opinion only one person candidate get the government job so what about the rust of 99%, the progress of education is moral responsibility of each and every person. Sunil Bharala said that today's education system is lacking morale values and

character foundation. In his speech he said that education system should incorporate nationalism and education must reach to the last citizen.

Dr. Ram Narain, Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur coordinator of the session, welcomed the guests and given vote of thanks. **Ms. Pratima Srivastwa,** Deptt. of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur did reporting of this session.

Technical Session-IV

Theme: Indian philoshopy and ideology on Higher Education

Date: 29th October, 2017 **Time: 1:00-02:30** **Venue: Vishweshwaraiya Hall**

Keynote: **Prof. Kalplata Pandey**, MGK Vidyapeeth, Varanasi
Chairperson: **Prof. PN Singh**, Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi
Co-chair Person: **Dr. S. P. Tiwari**, Deptt. of Microbiology, VBS Purvanchal University,Jaunpur
Rapporteur : **Dr. Sushil Kr.Singh**, Deptt. of Business Mgmt,VBS Purvanchal University,Jaunpur
Coordinator: Dr. Murad Ali, Head, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur
Session Coordinator: Dr. Alok Singh, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

Technical session IV was started with keynote address of Prof. Kalplata, In her keynote address Prof Kalplata pandey, MG Kashi Vidyapeeth Varanasi, states that to avoid or stop the plagiarism in research there should be proper mechanism. She told in her lecture about essence of fundamental and natural means /idea of teachers, Students and education should be transparent. Similar concept was applied by Pt Deen Dayal upadhyay to join the education with last one of the society. Prof. Kalplata stated that evaluation of answer sheet without reading it, is the negligence of student's hard work of done through the year and it is same as a serious crime.

After Kalplata another chair person Prof P.N. Singh stated that female are playing quite healthy role in education and they are having the gift of god who create nature. In Indian philosophy, mother is the first master of culture. According to Indian culture gaining individualism is the final aim of education.

Dr. S. P. Tiwari, Deptt. of Microbiology, VBS Purvanchal University, Jaunpur Co-chair of the session, welcomed the guests.

Dr. Alok Singh, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur presented the vote of thanks to speakers. Dr. Sushil Kr.Singh, Deptt. of Business Mgmt, VBS PURVANCHAL UNIVERSITY, Jaunpur briefed the whole session. In technical session IV total 12 research paper has been presented, following are the details.

Details of paper presented

सण	छंउम	ज्वचपब
1	Dr. Manisha Agarwal Kamlesh Kumar Maurya	Organizational Citizenship Behaviors, Experiential education and University Branding Prospects and Areas of research in Indian Context
2	Dr.Aditya Narayan Dr.Sushil Kumar	Need of ICT in Higher Education
3	Abhinav Srivastava	Role overload among teachers leading to disengagement
4	डा० कल्पना सिंह	भारतीय विश्वविद्यालयो मे उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति
5	Dr. M. Zahoorul Alam	Students' Union Elections and Lyngdoh Committee Recommendations
6	डॉ0 कमलेश कुमार सिंह श्री अनिल कुमार सिंह यादव	विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम में संशोधन की आवश्यकता एक विश्लेषण
7	डॉ0 अर्चना श्रीवास्तवा	भारतीय विश्वविद्यालयों में अन्तर्विषयक अध्ययन की आवश्यकता
8	सुदर्शन सिंह	भारतीय विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की समस्याएं और उसका समाधान
9	नागेन्द्र प्रसाद	भाारतीय विश्वविद्यालयों में सामाजिक सरोकार एव उत्तरदायित्व
10	Deepika Rai	भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुशासन एवं शिक्षण
11	डा0 शैलेन्द्र प्रसाद पाण्डेय डा0 राजेश	शिक्षा के बाजारीकरण से उत्पन्न चुनौतियां
12	विवेक कुमार पाण्डे कृपा शंकर पाण्डे	भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पद्धति

Technical Session-V

Theme: Ekatma Manavwad and Indian Education system

Date: 29th October, 2017 **Time: 2:45-04:30** **Venue: Vishweshwaraiya Hall**

Chairperson : **Prof, OP Singh**, Director, MM Malviya Patrakarita Sansthan, MGKVP, Varanasi

Co-chair Person : **Dr.A.K. Srivastva**, UNSIET, VBS Purvanchal University,Jaunpur

Rapporteur : **Mr. Shalesh Prajapati,** UNSIET, VBS Purvanchal University, Jaunpur.

Coordinator : **Dr. Murad Ali**, Head, Dept of Business Mgmt, Jaunpur

Session Coordinator: **Dr. Alok Singh**, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In this technical session keynote address was given by Shri. Ram Krishna Tiwari, he started his speech by addressing the current challenges with the higher education in India. He focused about the Indian university examination system reformation is the need of the hour to get maximum fulfillment of education objectives.

In the connection Prof OP Singh, Chair person of the conference states that about Ekatm Manav Wad education inspired to the society, and money is not directly related to learning the education. Education must be based on ethics/cultural based values, parameter of NAAC are not actually able to justify the actual means of education.

Dr. A.K. Srivastva, UNSIET, VBS Purvanchal University, Jaunpur presented the welcome note for the session. Dr. Alok Singh, Dept of Business Mgmt, VBS PURVANCHAL UNIVERSITY, Jaunpur given vote of thanks. Mr. Shalesh Prajapati, UNSIET, VBS Purvanchal University, Jaunpur, reported the brief of the session. In this session total 12 research paper has been presented, below are the details.

Details of paper presented

Sl.	Name	Topic
1	Srivastava Pratima Sharma Rajesh Shweta Sonam, SP Tiwari	Higher Education in India: Emerging Issues, Challenges and Suggestions
2	Manoj kumar prajapati Sarvajeet singh	Indian university examination reforms: Need of the hour
3	Purvi Nishad	Higher education in India: Issues, Challenges and Suggestions
4	Prarthana Nishad	Quality teaching and higher education system in India
5	Dr. Afzal Ahmad	Evaluation in higher education
6	सन्तोष कुमार सरोज	भारतीय विश्वविद्यालय में शिक्षक–छात्र सम्बन्ध
7	सुमित गोविन्द राव अजीत प्रताप सिंह	विश्वविद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रम में भारतीयता से दुराव के कारण आप्रांसगिक होती शिक्षा
8	अनुपमा राय डॉ0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा	भारतीय विश्वविद्यालय में अध्यापक –छात्र सम्बन्ध
9	डॉ0 अमर नाथ डॉ0 आलोक रंजन यादव	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक चुनौती
10	Nitin Kumar Chauhan	विश्वविद्यालयो में छात्र संघ के चुनाव का न होना छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार पर हमला
11	डा0 शैलेन्द्र प्रसाद पाण्डेय डा0 राजेश	शिक्षा के बाजारीकरण से उत्पन्न चुनौतियां
12	विवेक कुमार पाण्डे कृपा शंकर पाण्डे	भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पद्धति

Cultural Evening

विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक संध्या सम्पन्न

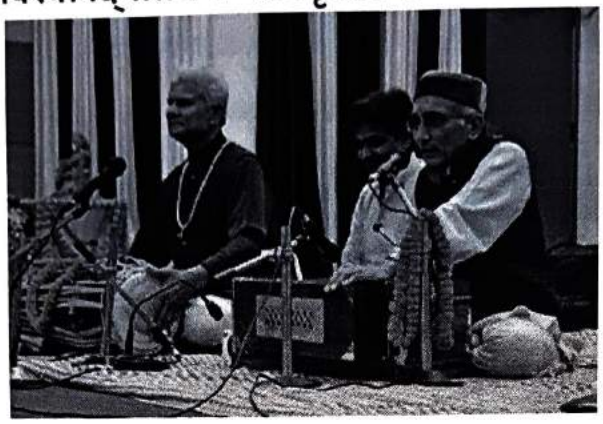

विश्वविद्यालय में 29-octuber-2017, 2nd day of National conference, रविवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। छतरपुर मध्यप्रदेश से पधारे मृदंग मार्तंड पंडित अवधेश कुमार द्विवेदी, संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से सम्मानित प्रख्यात शास्त्रीय संगीत गायक पंडित सत्य प्रकाश मिश्र एवं स्वामी शांति देव महाराज के शिष्य तथा ठुमरी एवं तराना गायन में सिद्धहस्त कुलपति प्रो डॉ राजाराम यादव की युगलबंदी ने श्रोताओं को अपने उत्कृष्ट गायन से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मालकोश राग में रावण- मंदोदरी संवाद पर प्रो डॉ राजाराम यादव की प्रस्तुति- मैं कहां जाऊं कासे कहूं पर श्रोता झूम उठे। उनके द्वारा प्रस्तुत तराना एवं ठुमरी बुद्धि न जागी,निकल आयो घमवा,जब जागी तब मूरत पायी,आगि लागे धंधा वज्र परे कमवा पर समूचा हाल तालियों की गूंज से अनुगुंजित होता रहा। शास्त्रीय गायक पंडित सत्यप्रकाश मिश्र द्वारा प्रस्तुत भजन एवं **मृदंगाचार्य पंडित अवधेश कुमार द्विवेदी के शिव तांडव** स्त्रोत पर मृदंग वादन ने लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि अरुंधति वशिष्ठ अनुसन्धान पीठ के निदेशक डॉ चंद्र प्रकाश सिंह** ने कहा कि संगीत मानसिक तनाव से मुक्ति देता है। अपने उदबोधन में कुलपति प्रो डॉ राजाराम यादव ने कहा कि **नाद ही ब्रह्म है**। आहत नाद को ब्रह्म नहीं माना गया लेकिन अनाहत नाद को ब्रह्म की संज्ञा से अभिहित किया गया है। **धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ. अविनाश पाथर्डीकर एवं संचालन मीडिया प्रभारी डॉ मनोज मिश्र ने किया।** इस अवसर पर डॉ अजय द्विवेदी, डॉ राम नारायण, डॉ ए के श्रीवास्तव, डॉ अमरेंद्र सिंह , डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ रजनीश भास्कर, डॉक्टर संतोष कुमार, डॉ राजकुमार सोनी, डॉ सुशील सिंह, डॉ अलोक सिंह , डॉ विवेक पांडे, डॉ रजनीश भास्कर ,आलोक दास डॉ संजय श्रीवास्तव डॉक्टर विद्युत मल, डॉ पीके कौशिक, सुशील प्रजापति, धीरज श्रीवास्तव समेत विश्वविद्यालय के छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

Technical Session-VI

Theme: Ancient Education System of India

Date: 30th October, 2017 **Time: 9:30-11:00** **Venue: Vishweshwaraiya Hall**

Keynote : **Mr. Chandra Prakash**, Arundhati Vashishith Anushandhan Peeth, Alld.
Chairperson : **Dr. Ram Mohan Singh (Retd.),** Principal (Retd), PG College, Mihrawa
Co-chair Person : **Dr. Satyendra Pratap Singh,** Principal, PG College, Mihrawa
Rapporteur : **Mr. Rishi Srivastava,** Department of Microbiology, VBS Purvanchal University, Jaunpur.
Coordinator : **Dr. Murad Ali**, Head, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur
Session Coordinator: Dr. Alok Singh, Dept Of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In this session director of Arundhati Vashishith Anushandhan Peeth, Dr. Chandra Prakash Singh had given the key note address. In his keynote speech he talks about historical and traditional approach of Indian education system to get the knowledge of inner self/oneself. He produces the differences between modern education system and traditional education system. Dr.Chandra highlights about the how the aim of getting overall development through education is inherent in traditional Indian education system.

After keynote, Dr. Ram Mohan Singh presented his speech on ancient education system of India. He stated several practical stories related with the learning through direct sources of learning. He talks about the Gurukal system of ancient Indian education system.

In this series Co-chair of the session Dr. S.P. Singh presented his view on modern and ancient education system challenges and reformations during the transition phase. He also presented the welcome note.

Dr. Alok Singh, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur presented the brief introduction about the theme along with the instructions for the presenters.

Dr. Murad Ali, Head, Dept of Business Mgmt, VBS Purvanchal University, Jaunpur presented the vote of thanks. Mr. Rishi Srivastava, Department of Microbiology, VBS Purvanchal University, Jaunpur, did the reporting of the session. In this session total 12 research paper has been presented, details are given below.

Details of paper presented

Sl.	Name	Topic
1	Simple Kumari	Current Status of Higher Education in the Indian University
2	डॉ0 अवध बिहारी सिंह	उच्च शिक्षा की दशा एवं दिशा
3	अभिषेक सिंह	प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति में पाठ्यक्रम
4	Dr. Bhartendu Mishra	Challenges of Higher Education in India
5	Maneesha Mishra	Prevalence of Musculoskeletal Disorder among Computer Bank Office Employees in Faizabad(India)
6	Dr. Praveen Kumar	Indian Universities Higher Education System
7	प्रीति शर्मा,	भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुशासन वं शिक्षण
8	डॉ विनय कुमार डॉ विवेक कुमार पाण्डेय	भारतीय विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थित
9	डां सिंह रविकान्त .	प्राचीन भारतीय शिक्षा -विशेषताए व स्वरुप
10	प्रीति शर्मा	भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुशासन एवं शिक्षण
11	डॉ विनय कुमार डॉ विवेक कुमार पाण्डेय	भारतीय विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थित
12	अजीत कुमार यादव	भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के महत्वपूर्ण पहलू

Plenary Session-3

Theme: Ekatma Manavvad and Indian Values

Date: 30th October, 2017 **Time: 11.00 to 12.00 pm** **Venue: Vishweswariya Hall**

Keynote : **Dr. SK Mishra**, DDU Chair, BHU, Varanasi
Chair Person : **Dr. Reeta Singh**, TD PG College, Jaunpur
Co-chair Person: **Dr. Rajesh Sharma, Department of Biotechnology,** VBS Purvanchal University, Jaunpur
Rapporteur : **Dr. Sudhir Upadhyay,** Deptt of Environmental Science, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

In plenary session-3 keynote presenter was Prof. SK Mishra, from Banaras Hindu University, Varanasi. In his keynote speech Prof. Mishra majorly focused on the proper budget allocation from the government to improve the science education. He compared the data of many countries with Indian government preferences for the education sector development. He also highlights about the current challenges in term of technology, laboratory establishment and scientific infrastructure. Prof. Mishra also talks about the role of university education system in higher education. He advocates about the increment of quality as well quantity of university education system.

In this series Dr. Reeta Singh presented her speech about the women status in Indian higher education. She suggested many areas to improve the women participation in higher education. Dr. Reeta also emphasizes on the role of equality in society to improve overall role of another half population for National development. Dr Reeta also highlights the challenges related with business orientation of Indian Higher education. She suggested about the inclusion of single door policy for the Indian education to improve the quality of education. Dr. Rajesh Sharma, Department of Biotechnology, VBS Purvanchal University, Jaunpur, presented the welcome note and briefed about the session theme. Dr. Sudhir Upadhyay, Deptt of Environmental Science, VBS Purvanchal University, Jaunpur did the reporting of the session.

Valedictory Session

Date: 30th October, 2017 **Time: 1.00 to 3.00 pm** **Venue: Vishweswariya Hall**

Keynote: **Prof. N.C Gautam**, Vice Chancellor, Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramoday University

Chairperson: **Prof. Dr. Raja Ram Yadav**, Vice Chancellor, VBS Purvanchal University

Guest of Honour: **Mr. D.N. Jhunjhunwala**, Former CMD, JVL Agro, Varanasi

Convener: **Dr. Avinash D. Pathardikar**, Head, Deptt. Of HRD, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Rapporeur: **Dr. Amrendra Singh,** Department of Chemistry, VBS Purvanchal University, Jaunpur

Summary:

विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चल रही तीन दिवसीय सम्मेलन का सोमवार, 30-Oct-2017 को इंजिनियरिंग संस्थान के विश्वेशरैया हॉल में समापन हुआ। तीसरे दिन भारत में प्राचीन शिक्षा पद्धति व एकात्म मानववाद और भारतीय मूल्य विषयों पर सत्र का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ताओं के क्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के **कुलपति प्रोफ़ेसर नरेश चंद्र गौतम** ने कहा कि आज के दौर में गुरु शिष्य के संबंधों की पुरातन संस्कृति समाप्त हो गई है. विलुप्त हुई संस्कृति को नई पीढ़ी से पुनः जोड़ना होगा।उन्होंने कहा कि विदेशों की नकल कर शिक्षा का निजीकरण कर दिया गया. धनवान व्यक्तियों ने शिक्षा को उद्योग बना दिया है और आज यह लाभ के केंद्र तक सीमित हो गए हैं. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता मिली है लेकिन बहुत सारे ऐसे नियम है जिससे सहायता प्रभावित हो रही है I

अरुंधति वशिष्ठ अनुसन्धान पीठ के निदेशक **डॉ चंद्र प्रकाश सिंह** ने कहा कि भारत में पुरातन व्यवस्था के अंतर्गत शिक्षा ऐसी थी जिससे मोक्ष मिलता था। लेकिन आज के युग में शिक्षा का उद्देश्य बदल गया है।आज शिक्षा के बिना सर्वांगीण विकास संभव नहीं है और इसके मूल को समझने की आवश्यकता है।

वाराणसी के उद्योगपति **दीनानाथ झुनझुनवाला** ने कहा कि छात्र राजनीति गलत दिशा में जा रही है. राजनीतिक पार्टियों के छात्र संघ में हस्तक्षेप पर रोक लगनी चाहिए।

अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के **कुलपति प्रोफ़ेसर राजाराम यादव** ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थी सबसे महत्वपूर्ण है उनके बिना कोई संस्थान सजीव नहीं हो सकता।ऐसे में ऐसी

विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति निर्मित हो जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के में सहायक हो सके.उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों को अनुदान बढ़ाने पर भी जोर दिया।

सम्मेलन के संयोजक डॉ अविनाश पाथर्डीकर ने तीन दिवसीय सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सर्व प्रथम डॉ पर्थिडेकर ने बताया की इस तीन दिवसीय सम्मेलन में कुल १६६ प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमे से ४७ प्रतिभागियों ने अपने शोधपत्र को प्रस्तुत किया I रिपोर्ट में उन्होने बताया की इस सम्मेलन में कुल ६ टेक्निकल सत्र और ३ प्लीनरी सत्र का आयोजन हुआ I इसी क्रम में उन्होंने ये भी बताया की सम्मेलन में कुल १२ से अधिक थीम के अनुसार विसयवस्तुवार कार्यक्रम को पूर्ण रूप से संचालित किया गया I इस सम्मेलन में कुल ५ सेंट्रल यूनिवर्सिटीज,१० स्टेट यूनिवर्सिटीज और १५० से अधिक महाविद्यालय के शिक्षाविद और शोधछात्र प्रतिभागियों ने भाग ले कर क्रायक्रम को सफल बनाने में अहम् भूमिका निभायी I कार्यक्रम के सयोंजक डॉ अविनाश पर्थिडेकर ने सभी सत्रो की प्रमुख बिन्दुओं को बताते हुए निम्न सुझवो को सम्मेलन की तरफ से भारतीय हायर एजुकेशन में विभिन्य आयमो में सहभागिता पे प्रकाश डाला I मुख्य वक्ताओ के और शोध प्रतिभागियो के अनुसार निम्नवत सुझाव मिलेI

- प्रोफेसर कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि अगर हिंदुस्तान को विश्वगुरु बनाना है और 125 करोड़ लोगों के अंदर ताकत पैदा करनी है तो शिक्षा की पद्धति को भारतीय भाषाओं में करना पड़ेगा। भारत सरकार इसके प्रोत्शाहन के लिये स्पेशल ग्रांट प्रदान करेI

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गणित के प्रोफेसर डॉक्टर एसके मिश्रा ने कहा कि हमारे देश में उच्च शिक्षा तथा विज्ञानं शोध के लिए बहुत कम बजट है. विज्ञानं शोध को बढ़ावा देने के ले विश्वस्त्ररिय शोधपत्रों का भारतीय भाषा में अनुवाद हेतु सस्पेशल ग्रांट सभी विश्विध्यालयो को अनुमोदित किया जाना चाहीयेI

- वरिष्ठ संघ प्रचारक रत्नाकर ने कहा कि भारतीय समाज का चिंतन, मूल्य, संस्कृति एवं अवधारणा भारतीय शिक्षा का आधार होगी तब जाकर हम दुनिया का मार्गदर्शन कर सकेंगे। जब तक भारत का प्राचीन ज्ञान -विज्ञान पुनः प्रस्फुटित नहीं होगा तब तक विश्व का कल्याण संभव नहीं है।

- भारतीय शोध की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु इंडियन यूनिवर्सिटीज को संदर्भ सूची के लिए एक विशेष भारतीय एकल पद्धति को लागूकर अपनाना होगा I

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी के पूर्व प्रोफेसर राम गोपाल ने कहा कि आज शिक्षा का निजीकरण हो गया है। अधिकांश महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं भी नहीं है। शिक्षा के स्तर को ऊचा करने के लिये छात्रों एवंम शोधार्थियों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान किया जाना चाहेये I

इस क्रम में सम्मेलन के संयोजक डॉ अविनाश पर्थिडेकर ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये सभी सहभागियों का अभिवादन एवंम धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया I सर्वप्रथम डॉ अविनाश ने कुलाधिपति का आभार व्यक्त करते हुये सम्मेलन के आधारशीला प्रदान करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया I इसी क्रम उन्होने विश्वविध्याल के कुलपति प्रो.डॉ. राजाराम के प्रति, उनके द्वारा क्रायक्रम के दौरान प्रतिपल मार्गदर्शन हेतु आभार व्क्त किया I

इसके उपरांत उन्होने सभी कार्यक्रम समितियो का क्रमवार उनके द्वरा समय अनुशार किये गए मूल्यवान सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया I

इस क्रम में संयोजक डॉ अविनाश पर्थिडेकर ने कार्यक्रम की सफलता में मूल सहभागिता के लिये विश्वविध्यालय के विभिन्न विभागों के स्वमसेवी-छात्रो के प्रति आभार व्यक्त किया I

अंत में संयोजक ने अपने आंतरक समूहदल मनीष शिन्हा, अभिनव श्रीवास्तव, कमलेश कुमार मौर्या का सहृदय धन्यवाद देते हुये उत्साह वर्धन किया I

कार्यक्रम का संचालन डॉ मुराद अली ने किया। इस अवसर पर डॉ विनोद सिंह, डॉ अजय प्रताप सिंह, डॉक्टर बी डी शर्मा, डॉ आर एन ओझा, डॉक्टर ए के श्रीवास्तव, डॉ अजय द्विवेदी, डॉ मनोज मिश्र, डॉक्टर हिमांशु सिंह, डॉ राजेश शर्मा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉक्टर अवध बिहारी सिंह, डॉक्टर अमरेंद्र सिंह, डॉक्टर सुशील सिंह समेत तमाम उपस्थित रहे ।

List of the Paper Contributors

S.N.	Name	Title	Affiliation
1	Ms. Swati Singh Parmar	The plight of education in contemporary India : A study	Amity University, Lucknow
2	Anumea Sahai	Demystifying the Indian education system with special reference to Indian universities	Amity University, Lucknow
3	Swadesh Deepak	Globalization and its Impact University in India	Udai Pratap Autonomous PG College, Varanasi
4	Prof. H.C. Purohit	Higher Education Quality for Growth and Sustenance of Economy	School of Management Doon University, Dehradun (Uttarakhand) India
5	Dr Reena Singh Ajanta Giri	Indian higher education and research in 21st century	School of Management, Doon University, Dehradun
6	Ankita Mandoliya	Digitalization of higher education in India and its impact on GRE	School of Management, Doon University, Deharadun
7	Dr Reena Singh Arti Negi	Higher education in India with special reference to management courses	School of Management, Doon University, Dehradun
8	Dr Reena Singh Ms. Gaganjot Kaur	Status of Indian University Education System	School of Management, Doon University, Dehradun
9	V D Sharma Nidhi Sonkar	Student union and its importance in bharatian universities	Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur
10	Dr. Afzal Ahmad	Evaluation in Higher Education	Department of Teacher Education

			Shibli National College, Azamgarh
11	Divyendu Kuma Mishra	Review of Technical Education Quality Improvement Programme	Center for Information and Language Engineering MGAHV, Wardha
12	Neeraj Dubey Richa Sinha	Role of education in customer awareness in retail outlets	S.H.I.A.T.S. 1, Allahabad
13	Jhansee Mishra Alok Kumar Dash	Indian Educational System: A comparative study between ancient and current education	Institute of Pharmacy V.B.S.P. University, Jaunpur, Uttar Pradesh
14	Ashok K. Srivastava Ram N Yadav Amrendra Kumar Singh	Indian university system: History and current prospective	Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur
15	Akhilesh S. Shastri Arun Kumar Sanjay Kumar Singh	Role of Student Union in the Governance of University	Hindu P.G. College , Zamania, Ghazipur
16	Dr.Pratibha Singh	Indian education system vs modern education system	Veer Kunwar Singh Univ. Ara
17	Dr. M. Zahoorul Alam	Students' Union Elections and Lyngdoh Committee Recommendations	Shibli National College, Azamgarh
18	Beena Rani Singh	Admission Procedure in Indian Universities	U.P. Basic Department Ballia
19	Praveen Kumar Mishra	Investigating the relationship of OCB with job satisfaction organizational commitment and turnover intensions: with special reference to teaching staff of universities of India	Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur
20	Dr. Afzal Ahmad	Evaluation in higher education	Shibli National PG College, Azamgarh
21	Purvi Nishad	Higher education in India: Issues,	Sam

		challenges and suggestions	Higginbottom University of Agriculture, Technology & Sciences (SHUATS), Allahabad
22	Prarthana Nishad	Quality teaching and higher education system in India	Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology & Sciences (SHUATS), Allahabad
23	Dr. Praveen Kumar	Indian universities higher education system	Agra College, Agra
24	Dr. Bhartendu Mishra	Challenges of Higher Education in India	T.D. College, Ballia
25	Maneesha Mishra	Prevalence of Musculoskeletal Disorder among Computer Bank Office Employees in Faizabad(India)	Sam Higginbottom University of Agriculture,Allah abad
26	Dr.Aditya Narayan Tripathi Dr.Sushil Kumar	Need of ICT in Higher Education	Sant Tulsidash P.G. College Kadipur, Sultanpur N.K.G. Degree College , Aflepur, Malhani, Jaunpur
27	Abhinav Srivastava	Role overload among teachers leading to disengagement	V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur
28	Ram Naraian Simpal Kumari	Mushroom Growth Promoting Bacteria (MGPB) Isolated from Agricultural Soil	V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur
29	Dr.V.D. Sharma	Chanakya & his six principles of spiritual management	V.B.S. Purvanchal University,

			Jaunpur
30	Santosh Kumar	Role of Science and Technology in Indian Education System	V.B.S. Purvanchal University Jaunpur
31	Manoj Kumar Prajapati Sarvajeet Singh	Indian university examination reform : Need of the hour	Bhau Rav Devras Government P.G. College, Duddhi, Sonbhadra.(U.P.) Government Mahila Degree College, Shahganj, Jaunpur. (U.P.)
32	Amar Singh Rana	Scenario of present education system: A comparative study of uttar pradesh and its neighbouring states	Sam Higginbottom University of Agriculture, Technology & Sciences (SHUATS), Allahabad
33	Divyendu Kumar Mishra	Sketching the trajectory of Higher Education in India	Center for Information and Language Engineering MGAHV, Wardha
34	Dr. Bidyut K. Mal Jyoti Kumar Singh Dr. R.P. Bajpai	Role of University Libraries in Higher Education System in India	Vivekanand Central Library V B S Purvanchal University , Jaunpur (U.P.) MGCGV, Chitrakoot Satna (M.P.)
35	Dr. Murad Ali	Impact of macro environmental factors on quality of higher educational services in India	Department of Business Management VBS Purvanchal University Jaunpur

36	Dr. Manisha Agarwal Kamlesh Kumar Maurya	Organizational Citizenship Behaviors, Experiential education and University Branding: Prospects and Areas of research in Indian Context	Department Of Psychology, BHU PMIR, BHU
37	Pratima Srivastava Rajesh Sharma Shweta sonam Tiwari SP	Higher Education in India: Emerging Issues, Challenges and Suggestions	VBS Purvanchal University Jaunpur
38	Pallavi Shrivastav	Higher education in India and its psychological introspection	Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur
39	Shivani Singh	Radical reforms in Indian University Education system	
40	Vikas Tripathi	The relationship between teachers and students in the classroom teaching: with special reference to indian universities	
41	Ranjeet Singh	Higher Education in India: An Introversion	
42	डॉ जगदीश सिंह दीक्षित	भारतीय उच्च शिक्षा की स्थिति: विश्वविद्यालयों के संदर्भ में	टी डी कॉलेज जौनपुर
43	डा॰ कल्पना सिंह	भारतीय विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति	राजा हरपाल सिंह पी॰ जी॰ कालेज सिंगरामऊ जौनपुर
44	डां. रविकान्त सिंह	प्राचीन भारतीय शिक्षा : स्वरुप व विशेषताए	सहकारी पी.जी.कालेंज,मिहरावां, जौनपुर
45	विक्रमदेव, प्रबंध अध्ययन संकाय, जौनपुर विदुषी शर्मा , शोधछात्रा , प्रबंध संकाय, IGNATU, अमरकंटक, मप्र	भारतीय विवि शिक्षा एवं सामाजिक सरोकार : आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रबंधन के संदर्भ में	वीर बहादुर सिंह पुर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर
46	शुभम चौबे	भारतीय शशक्षा के बदऱते स्वरुऩ	तिलक धारी सिंह पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय,

			जौनपुर
47	डॉ विनय कुमार डॉ विवेक कुमार पाण्डेय	भारतीय विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थित	वीर बहादुर सिंह पुर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर
48	शिवम सिंह	भारतीय विश्वविद्यालय में छात्र अध्यापक सम्बन	लखनऊ शवश्वशवद्यालय ,लखनऊ
49	ईशू श्रीवास्तव सैफ़ ऊल हक़	समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका	महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना
50	Nitin Kumar Chauhan	विश्वविद्यालयो में छात्र संघ के चुनाव का न होना छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार पर हमला	वीर बहादुर सिंह पुर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर
51	अजीत कुमार यादव	भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के महत्वपूर्ण पहलू	शिक्षा संकायए आर0बी0एस0 कालेज, आगरा
52	प्रीति शर्मा,	भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुशासन एवं शिक्षण	पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
53	डॉ0 अवध बिहारी सिंह	उच्च शिक्षा की दशा एवं दिशा	जनसंचार विभाग वीर बहादुर सिंह पूर्वाच्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
54	Dr. Anupama		Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith, Varanasi
55	डॉ0 आर0एन0 ओझा	उच्च शिक्षा की चुनौतिया एवं समाधान	
56	डॉ0 अमर नाथ डॉ0 आलोक रंजन यादव	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक चुनौती	बाबा गणेशदत्त महाविद्यालय, रत्तीपुर, जौनपुर ठा0 मातिवर सिंह पी0जी0 कालेज

			जमालापुर, जौनपुर।
57	डॉ० अमित कुमार सिंह	रायबरेली नगर में तकनीकी विश्वविद्यालय व तकनीकी शिक्षा के बढ़ते आयाम	
58	डॉ0 दीनानाथ सिंह	पंडित दीनदयाल उपाध्याय का विचार क्षेत्र	
59	Dr Akhilesh Chandra Dr. Geeta Singh	भारतीय विश्वविद्यालयों की वर्तमान स्थिति	श्री गांधी पी0 जी0 कालेज मालटारी–आजमगढ़। डी0ए0वी0पी0जी0 कालेज, आजमगढ़।
60	Rakesh bahadur	उच्च शिक्षा में समस्याएँ एवं समाधान	महात्मा गाँधी चित्रकुट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकुट, सतना
61	डॉ0 राकेश प्रताप शाही	उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण	श्री भगवान महावीर पी0 जी0 कालेज पावानगर (फाजिलनगर) कुशीनगर
62	विवेक कुमार पाण्डेय1, कृपा शंकर पाण्डेय2	भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पद्धति	पर्यावरण विज्ञान विभाग वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर,
63	डॉ० अखिलेश्वर शुक्ला	देश के विकास में उच्च शिक्षा, एक चुनौती	राजनीति विज्ञान राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यायल जौनपुर।
64	सुजीत कुमार चौहान	भारतीय विश्वविद्यालय में शिक्षक–छात्र सम्बन्ध	
65	डा0 शैलेन्द्र प्रसाद पाण्डेय डा0 राजेश	शिक्षा के बाजारीकरण से उत्पन्न चुनौतियां	संत तुलसीदास पी0जी0कालेज कादीपुर–सुलतानपुर
66	Deepika Rai	भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुशासन एवं शिक्षण	
67	सुदर्शन सिंह	भारतीय विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की समस्याएं और उसका समाधान	डी0डब्ल्यू0टी0 कालेज छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय

			कानपुर
68	सुमित गोविन्द रावप अजीत प्रताप सिंह	विश्वविद्यालयी शिक्षा के पाठ्यक्रम में भारतीयता से दुराव के कारण आप्रांसगिक होती शिक्षा	के.एन.आइ. पी.एस. एस. सुल्तानपुर, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्विद्यालय फैजाबाद अर्थशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्विद्यालय वाराणसी
69	श्रवण कुमार मीनू पाण्डेय	भारत में विश्वविद्यालीय शिक्षा (उच्च शिक्षा) का वर्तमान स्वरूप	शिक्षा संकायए नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय,इलाहा बाद।
70	डॉ० (श्रीमती) रीता सिंह	प्राचीन उच्च शिक्षा का केन्द्र : नालन्दा	शिक्षा विभाग,टी०डी० कालेज, जौनपुर
71	डॉ0 अर्चना श्रीवास्तवा	भारतीय विश्वविद्यालयों में अन्तर्विषयक अध्ययन की आवश्यकता	शिक्षा शास्त्र विभाग, टी0डी0पी0जी0 कॉलेज, जौनपुर
72	जयन्त कुमार पाठक	भारतीय विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था	
73	कु0 दिव्यलता शर्मा	21वीं सदी में शिक्षा : समस्या एवं समाधान	जमानियाँ गाजीपुर,
74	डॉ0 अखिलेश कुमार शर्मा 'शास्त्री'	भारत में उच्च शिक्षा की समस्या एवं समाधान	हिन्दी विभाग हिन्दू डिग्री कॉलेज जमानियाँ गाजीपुर
75	डॉ0 शम्स आलम	उच्च शिक्षा के निजीकरण की समस्या एवं समाधान	हिन्दी विभाग बी0वी0एम0 (पी0जी0) कॉलेज बाह आगरा
76	डॉ0 पी0के0 सिंह डॉ0 पारूली सिंह	भारत में शिक्षा के उद्देश्यों का महत्व'' एक समीक्षा	राष्ट्रीय पी0जी0 कालेज जमुहाई, जौनपुर। भूगोल विभाग बाबा गणेशदत्त महाविद्यारत तीपुर, जौनपुर।

ल विवि में दीनदयाल उपाध्याय जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मेलन में बदलाव की वकालत

ारतीय भाषाओं में शिक्षा पद्धति पर जोर

ारी की बात

05 • हिन्दुस्तान

ाचल विश्वविद्यालय में राज्यपाल ने तीन संगोष्ठी का किया उद्घाटन और दी सीख

ंगोष्ठियों से निकले समाधान

कविता संग्रह का हुआ विमोचन

...जब विशिष्ट अतिथि को राज्यपाल ने टोका

युवाओंपर राष्ट्र निमाणका जिम्मा-राम न

शिक्षा व्यवस्था बदलावकी ओर, टाप फाइवके लिए करनी होगी कड़ी मेहनत : प्र

संस्कृति से विद्यार्थियों को जोड़ें: प्रो. गौतम

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

उच्च शिक्षाके विविध आयामोंपर हुई चर्चा

शिक्षण व्यवस्थामें बदला

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकासकरने वाली हो शिक्षा पद्धति: कुलपति

पुविवि में संगीत प्रस्तुत करते कुलपति राजाराम यादव।

शिक्षा ऐसी जो पैदा करे जवाब ढूंढने की ललक

पूविवि में उच्च शिक्षा पद्धति में बदलाव विषय पर संगोष्ठी

डीएम, एसपीने किया राज्यपालके कार्यक्रम स्थलका निरीक्षण

शास्त्रीय संगीत और ठुमरी से गूंजा विवि परिसर

सामाजिक और नैतिक शिक्षा भी जरूरी

शिक्षा पद्धति के मामले में अमेरिका और चीन के बाद भारत का स्थान

शिक्षा पद्धति विषय पर सत्रों का आयोजन किया गया

सुरक्षा के लिए रह थे कड़े इंतजाम

...ति का हारमोनियम वादन रहा आकर्षण

छात्रों के मन में पैदा करें प्रश्न

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षा पद्धति पर प्रोफेसर कुलदीप चंद्र के विचार

जागरण संवाददाता, जौनपुर : हिमांचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि अगर हिंदुस्तान को विश्वगुरु बनाना है और 125 करोड़ लोगों के अंदर ताकत पैदा करनी है तो शिक्षा की पद्धति को भारतीय भाषाओं में करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में शिक्षा पद्धति ऐसी बने जिससे छात्रों के मन में प्रश्न पैदा हो और विद्यार्थी उसके उत्तर ढूंढने के लिए व्याकुल हो जाए।

यह बातें उन्होंने रविवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

...केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो .कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री • जागरण

मंथन

- राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा पद्धति विषयक सम्मेलन का दूसरा दिन
- देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए वक्ताओं ने दिए सुझाव

पांडेय ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय शिक्षकों को विद्यार्थियों द्वारा पूरे वर्ष की गई मेहनत को ध्यान में रखना चाहिए, बिना पढ़े मूल्यांकन करना एक बड़ा अपराध है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा पद्धति में संस्कार का अभाव है। शिक्षा व्यवस्था राष्ट्रीय सोच की होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि ऐसी शिक्षा व्यवस्था बने जिससे देश के अंतिम नागरिक शिक्षित हो सके।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी के पूर्व प्रोफेसर राम गोपाल, सुनील भराला ने संबोधित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डा. राजाराम यादव ने वक्ताओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

डा.बीडी शर्मा, डा.जगदीश सिंह, शतरुद्र प्रताप सिंह, डा.अजय द्विवेदी, डा.राजेश शर्मा, डा.आशुतोष सिंह, डा. एके श्रीवास्तव, डा.एसपी तिवारी, डा. आरएन ओझा, डा.मनोज मिश्र, डा. दिग्विजय सिंह, डा.सुनील, डा.अमरेन्द्र आदि रहे। संचालन डा.मुराद अली ने आभार संयोजक डा.अविनाश पाथर्डीकर...

विवि में डेढ़ घंटे रहेंगे राज्यपा...

...श्वविद्यालय में शिक्षा पद्धति पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करेंगे मह...

...रण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): ...बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ...28 अक्टूबर को शिक्षा पद्धति पर ...योजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने ...लिए बतौर अतिथि राज्यपाल राम ...ईक आ रहे हैं। जिनके आगमन को ...कर विश्वविद्यालय में तैयारी जोर-...र से चल रही है। शुक्रवार को जिला ...धिकारी सर्वज्ञ राम मिश्र व पुलिस ...धीक्षक केके चौधरी ने पूरे प्रशासनिक ...अमले के साथ निरीक्षण किया। सबसे ...पहले एकलव्य स्टेडियम में बने हेलीपैड ...का देखा और जरूरी दिशा-निर्देश दिया। ...कार्यक्रम स्थल संगोष्ठी भवन पहुंचे ...जहां पर पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा ...व्यवस्था को लेकर बातचीत की। इसके ...बाद लोग कुलपति कार्यालय पहुंचे। यहां ...पर कुलपति से पूरे कार्यक्रम की जानकारी ...लिया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षा पद्धति पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्यपाल राम नाईक के अलावा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विद्यालय के कुलपति कुलदीप चंद अग्निहोत्री, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.नरेश चंद्र गौतम, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.रमेश चंद्रा, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो.केपी पांडेय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो.प्रेम नारायण सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के प्रो.ओमप्रकाश सिंह ...

अधिकारियों ने वाहनों के साथ किया रिहर्सल

मल्हनी (जौनपुर): राज्यपाल के आगमन को लेकर सुरक्षा अधिकारियों ने गुरुवार की शाम को गाड़ियों की फ्लीट के साथ पूर्वाभ्यास किया गया। जिसमें गाड़ियों की फ्लीट हेलीपैड स्थल से होकर एकलव्य स्टेडियम के मुख्य द्वार से होते हुए सीधे वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा के पास रुकी। वहां माल्यार्पण के बाद गाड़ियों का काफिला सीधे गांधी वाटिका के सामने पहुंचा। कार्यक्रम के बाद महामहिम की गाड़ी सीधे संगोष्ठी भवन के मुख्य गेट पर ...

राज्यपाल के आगमन के मद्देनजर फ्लीट रिहर्सल करते सुरक्षा अधिकारी

पूर्वांचल विवि

- जिला प्रशासन ने कार्य... किया निरीक्षण
- परिसर पुलिस छावनी... चप्पे-चप्पे पर तैनात...

शिक्षा पद्धतिको भारतीय भाषाओंसे जोड़ना जरूरी

सम्मेलन

...तम शोध से किया मार्गदर्शन

...विषय के कम्प्यूटर विज्ञान, डिस्क्रीट गणित ...संगोष्ठी का दूसरा दिन रहा। देश के विभिन्न ...। विशेषज्ञों ने डिस्क्रीट गणित पर नवीनतम ...के प्रो.तारकेश्वर सिंह ने डिस्क्रीट गणित पर दैनिक जीवन मे उपयोगिता बताई। बीएचयू से ...ई अनसुलझे सवालों को रखा जो विगत कई ...न प्राप्त नही किया जा सका। बीएचयू कम्प्यूटर ...सॉफ्टवेयर जैसे पाइथन के बारे में विशेष रूप से ...रामानुजन के सिद्धांतों पर अपने विचार ...आईटीआई धनबाद ने फोरियर ...क्या। अंत मे मनिखा गर्ग, मृत्युंजय ...ने शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में एकात्म मानववाद एक अनुपम प्रयोग है। महात्मा...

मीडिया कवरेज

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में
भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति
Education System)
28 से 30 अक्टूबर 2017

मुख्य अतिथि- श्री राम
स्वागताध्यक्ष- प्रो. डॉ. राजाराम यादव
डॉ. अविनाश पाथर्डीकर

वीर बहादुर सिंह
शिक्षा पद्धति
University
tion System)

National Conference on Indian University Education System (28-30 Oct, 2017)

S.No	Name	Organization/Institution/Title	Payment Details	Kit	Certificate	Signature
1	Ranjeet Singh	Research Scholar / MBE / VBSPU	500/= Cash		[illegible]	[illegible] 28/10/17
2	Dr AJAY KUMAR TIWARI	Adarsh Bharati Mahavidyalaya Khetasarai-Jaunpur	1000.00 Cash	[illegible]	[illegible]	
3	Chandraveer Singh	" " " "	1000.00 Cheque		[illegible]	[illegible]
4	BRIJESHKUMARYADAV	T.D. COLLEGE JAUNPUR Student (भारतीय विश्वविद्यालय एवं कॉलेज में छात्रसंघ की भूमिका)	500 Cash	Brijesh	Brijesh	Brijesh
5	SANTOSH KUMAR SAROJ	Sri Ram Nirman Inter College Kaylron [illegible] (भारतीय विश्वविद्यालय में शिक्षक-छात्र सम्बन्ध)	1000 Cash	Santosh	Santosh	[illegible]
6	Mukesh Kumar Pathak	Assistant Professor B.Ed, Adarsh Bharti Mahavidyalaya Khetasarai Jaunpur (भारतीय वि.वि. [illegible] का इत्यादि)	1000=00 Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
7	Shyam Chand Maurya	Student	500 Cash		[illegible]	[illegible]
8	Simpal Kumari	VBSPU Biotechnology	500 Online	Simpal	Simpal	Simpal
9	Shweta Sonam	VBSPU Biotechnology (Research Scholar)	500 Cash	Shweta		Shweta
10	Pratima Srivastava	VBSPU Biotechnology (Research scholar	500 Cash	Pratima		Pratima
11	Ishu Srivastava	Mahatama Gandhi Gramoday Vishvidalay (Research Scholar	500 Cash	Ishu		Ishu
12	Rishi Srivastava	VBSPU Microbiology (Faculty)	1000 Cash	Rishi		Rishi
13	Pallavi Srivastava	T.D College	500 Cash	Pallavi	Pallavi	Pallavi
14	Asha Devi	Vivekanand Kendriya Vidyalaya [illegible]	500 Cash		Asha	ASHA DEVI
15	Shivam Singh	UNIVERSITY OF LUCKNOW	500 Online	Shivam Singh	Shivam Singh	Shivam Singh
16	Pankaj Kumar Gupta	R.H.S. P.G. Sigramau, Jaunpur	500/OP Online	Pankaj Kumar Gupta	Pankaj K. Gupta	Pankaj Kumar Gupta Pankaj Kumar Gupta
17	Dr Shailendra Prashad [illegible]	S.T.D. P.G. College Kadipur Sultanpur शिक्षा के बाजारीकरण से उत्पन्न चुनौतियाँ	1000/OP Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
18	Dr Rajesh [illegible]	— " — " — " —	1000/OP Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
19	Dr Aditya Narayan Tripathi	Need of ICT in Higher Education	1000/OP Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]

①

S.No.	Name	Title of Paper / Organization / Institution	Payment Details	Kit	Certificate	Signature
20)	Dr. Sushil Kumar	N.K.G. Degree College Affiliated Malhi Jaunpur Need of ICT in Higher Education	1000/ op online			
21)	Ashutosh Pandey	Handia P.g. College, Handia, Allahabad (as a Ordiance)	500/ cash	ASP	ASP	ASP
22)	Dr. Rakesh Singh	Faridul Haque Memorial Degree College Jaunpur	1000 / Cash			
23)	Sri Surya Prakash Yadav	" " "	1000 / Cash	Sanju	[illegible]	Sip
24)	Meenu Pandey	N.G.B.V. Allahabad. भारतीय विश्वविद्यालयी शिक्षा (उच्च शिक्षा) का वर्तमान स्वरूप	500/ online			Meenu
25)	पूजा सिंह	T.D. Law College Jaunpur	500/ cash	पूजा सिंह	पूजा सिंह	पूजा सिंह
26)	[illegible] सिंह	Student LL.M.	500 / Cash	Singh	Singh	Singh
27)	Dr. Sanjay Kumar yadav	O.P.M. Smark P.G. College Phulpur Azamgarh	1000/ Cash			
28)	[illegible]	T.D. College	500 Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
29)	Dr SHIV PRASAD YADAV	F.H.M.D.C. [illegible] Jp	1000/-: Cash			
30)	Dr. [illegible]	T.D. College [illegible]	1000/ — Online			
31)	Dr. Tabrez Alam	F.H.M.D.C. College Jaunpur	1000/ Cash	Dr Tabrez	[illegible]	Dr Tabrez
32)	डा. [illegible]	[illegible]	1000/-: Online			
33)	Dr. Pratibha Singh	V.K.S. University Ara,	1000/- online			
34)	Sudha [illegible]	V.B.S. Purvanchal Uni JNP	500/Cash			
35)	Neha Singh	V.B.S. Purvanchal Uni JNP	500/Cash			
36)	Namrata Singh	V.B.S. Purvanchal Uni JNP	500/cash			
37)	डा. [illegible] श्रीवास्तव	[illegible]	1000 Cash			
38)	[illegible] यादव	VBSPU				
39)	डा. [illegible]	[illegible] महिला महाविद्यालय	1000 Cash			[illegible]
40)	सन्दीप कुमार यादव	[illegible]	500 Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]

SNo	Name	Organization/Institution/Title	Payment Details	Kit	Certificate	Signature
41)	Dr. Amit Kumar [illegible]	R. S.	500/- Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
42)	Smita Rai	V.B.S.P.U.	500/- Kash	Smita	[illegible]	Smita
43)	Sheta Mauraya	" "	500/ " Case	Sheta	[illegible]	Sheta
44)	Arachana Sing	" "	500/ " Case	Arachana	[illegible]	Arachana
45)	Saravesh Singh	" "	500, " Case	Saravesh	[illegible]	Saravesh
46)	Javir Ali	" " Library tranee	500 " Case	Javir Ali		Javir Ali
47)	Shiv Kumar	" "	500 " Case	Shiv Kumar		Shiv Kumar
48)	Rakesh Kumar Yadav	" " Library tranee	500 " case	Rakesh Kumar		[illegible]
49)	Shipra Keshari	" " "	500 " Case	Shipra		Shipra
50	Deepa Singh	" "	500 " Case	Deepa Singh		Deepa Singh
51.	Ashoosh Tripathi	" " MSC Environmental Science	500/- Case	Ashosh Tripathi	Ashosh Tripathi	Ashosh Tripathi
52.	Abhishek Kumar Shukla	" " "	500/- Case	Abhishek Kumar	[illegible]	[illegible]
53	Saravesh Kumar Tripathi	" " "	500/ Case	Saravesh	[illegible]	Sarvesh
54	Dr. Brijesh Kumar Shukla	Asst. Profeshar English	1000 case	Brijesh	[illegible]	Brijesh
55	Dr. Chandra Prakash Dubey	Head Deptt. library and information science	1000 case	Chandra prad	[illegible]	Chandra prakash
56	Priyanka Bind	Student library Science	500 " case	Priyanka	[illegible]	Priyanka
57	Shiv Shankar	Library Trainee	500 " Case	Shiv Shankar		Shiv Shankar
58	Shweta Dubey	Research Scholar (library science	500 " case	Shweta	[illegible]	Shweta
59	Dr. Rajesh Kr. Pathak	Asst. Prof, LokNath PG College	1000 Online	Rajesh for		Rajesh for
60	Mr. Rakesh Bahadur Singh	" "	1000 online	Rajesh for		Rajesh for
61	Vishwajeet Singh	Student	500 OBC Bank	[illegible]		[illegible]
62	Vidushi Sharma	"	500 D.Online	[illegible]		[illegible]
63	Sarvajeet	"	1000 Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
64	Manoj Prajapati	"	1000 Case	[illegible]		[illegible]
65	डॉ [illegible]	[illegible]	1000/- Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
66	[illegible]	"	1000/- Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
67	डॉ0 अखिलेश चन्द्र 27/10/17	असि. प्रोफेसर [illegible]	1000/- Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
68	डॉ0 [illegible] सिंह 27/10/2017	एसो0 प्रोफेसर [illegible]	1000/- Case	[illegible]	[illegible]	[illegible]
69	डॉ0 रविकान्त सिंह	असि0 प्रोफेसर राजनीति शास्त्र [illegible]	1000/- Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
70	Dr. Karuna nidhan U.	Proff	1000/- Case	[illegible]		
71	Dr. Rashmi	Proff	1000/- Online	[illegible]		
72	Priti Sharma	Guest faculty ECE Deptt. VBSPU Jaunpur	1000/- Online	[illegible]	P. Sharma	[illegible]
73	Deepak Kumar Yadav	V.B.S.P.U. Library trainee	500 Case	[illegible]		Deepak
74	Dr. Kalpana Singh	R.H.S. P.G. College Singramau Jaunpur	1000/- Online	[illegible]		[illegible]

Sl.No	Name	Title of Paper / Organization/Institute	Payment Details	Kit	Certificate	Signature
75	Nidhi Sonkar	VBS PU / Research Schl.	~~Cash~~ 500 online	Nidhi	Nidhi	Nidhi
76	Dr. Alok Ranjan Yadav	Asst. Prof. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक चुनौती	cash 1000	Alok Ranjan Yadav	Alok Ranjan Yadav	Alok Ranjan Yadav
77	Dr. Amar nath	Asst. Prof. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एक चुनौती	cash 1000	Amar nath	Amar nath	Amar nath
78	Vinay Kr. Yadav	Research Scholar) Role of Lynda...	Cheque 500 Online	Vinay Kr. Yadav	Vinay Kr. Yadav	Vinay Kr. Yadav
79	Sonam Jaiswan	Mariahu P.G. Mariahu Jaunpur	Cash 500	Sonam Jai	[illegible]	Sonam Jaiswal
80	Nidhi Singh	Investigating the Relationship of OCD....	" 500	Nidhi Singh	[illegible]	Nidhi Singh
81	Pravin Kr. Mishra	Investigating the ship - - - -	DD 500 Online	Pramisha	Pramod	Pramod
82	Abhishek Singh	B.H.U.	cash 500	[illegible]	[illegible]	[illegible]
83	Ajeet Pratap Singh	B.H.U	cash 500	[illegible]	[illegible]	[illegible]
84	Sumit Govind Rao	Avadh University	cash 500	[illegible]	[illegible]	[illegible]
85	डॉ. विजय कुमार चतुर्वेदी	अभिमाह पी.जी. कालेज मडियाहूँ ...	1000/- (चेक)	[illegible]	[illegible]	[illegible]
86	कमलेश कुमार पाण्डेय	[illegible]	500 कैश	कमलेश	कमलेश	कमलेश
	29/10/2017	[III rd Session]	& [IV th Session]			
1	Shivani Singh	R.R in Indian University	Education system (Cash 500)	Shivani	Shivani	Shivani
2	Atul prasad gupta	V. B. S.P. University	Cash (500)	Atul Prasad Gupta	Atul P.d. Gupta	Atul Prasad Gupta
3	Deepika Rai	Raja Sri krishndat (P.G.) College	Education ser (OP ~~Cash~~)	Deepika	Deepika	Deepika
4	Jayant kumar Pathak	Phd. Scolar (VBSPU)	Cash 500	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5	~~Dr. Sadanand Singh~~		~~1000 Rs~~ (Cash)			
6	Dr. Jhansee Mishra	Asst. prof. Deptt (Pharmacy)	Online (1000)	[illegible]	—	
7	Dr. Sadanand Singh	Lecturer SS.F.M.P.G. Jaunpur	27/10/17 Cash (1000)	[illegible]	— [illegible]	
8	Sudarshan Singh	Research Scholar	500 Online SBI	Sudarshan	Sudarshan Singh	Sudarshana Singh
9	Aruna Raje Singh	M.Ed T.D. College Jaunpur	500 Cash	A.Singh.		[illegible]
10	Disha Raje Singh	M.Ed "	500 Cash	Disha Raje Singh		Disha Raje Singh
11	Jyoti Singh	शोध छात्रा ~~[illegible]~~	28/10/017 (500) Online	ज्योति सिंह	— ज्योति सिंह	ज्योति सिंह
12	Dr. Sindhuja Singh	Lecturer .S.S.F.M.P. Gaurabadshahpur Jaunpur	29/10/17 (1000) Cash	सिन्धुजा सिंह	— सिन्धुजा सिंह	सिन्धुजा सिंह
13	Divyendu Kr. Mishra	Research Scholar	(500) cash.	[illegible]	[illegible]	[illegible]
14	Shubham Chaubey	Student	500 cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
15	Kamal [illegible]	Student	500/- Cash	Kamal [illegible]	Kamal [illegible]	[illegible]
16	Shweta Rai	Student	500 OP	Shweta Rai	Shweta Rai	Shweta Rai
17	Archana	Student	500 OP	Archana	Archana	Archana
	Dipti kunj	Dipti kunj	500 OP	Dipti Kunj	Dipti Kunj	Dipti kunj
19	PRANJAL SHEKHAR	M.Ed	500/- Cash	Pranjal Shekhar	Pranjal Shekhar	Pranjal Shekhar

S.No	Name	Organisation/Institution	Payment Details	KPT	Certificate	Signature
21	Ajeet Kumar Yadav	Dr. B.R.A. University, Agra	500/- via DD/online	– [signature]	– [signature]	[signature]
	Pradeep Kr. Singh	VSSD College Kanpur	500/- Cash	[signature]	[signature]	[signature]
22	Rajesh Kumar c/o Rampher	SMPG College Azamgarh	500/- Cash	[signature]	[signature]	Rajesh kum.
23	Dr Vivek Vikram Singh	Mohd. Hasan P.G. College Jaunpur	1000/Cash	[signature]	[signature]	[signature]
24	Nitesh Kumar	LL.M., Tilakdhari College of Law, Jaunpur	500 – Cash	[signature]	[signature]	[signature] 9807068570
25	Sarvendra Kumar	R.S., (V.B.S.P.U.) Tilakdhari College of Law, Jaunpur	500 – Cash	[signature]	[signature]	S. Kumar
26	Anuradha Baranwal	M.Ed., R.S. K.D. P.G. College Jaunpur	500 – Cash	[signature]	[signature]	अनुराधा
27	Dilip Kumar Tiwari	R.S. Shibli National P.G. College Azamgarh	500 – Cash	[signature]	[signature]	[signature]
28	Vishesh Srivastav	Mariahu P.G. College Mariahu Jaunpur	1000 Cash	[signature]	[signature]	[signature]
29	Vikram Pratap Singh	T.D. P.G. College Jaunpur	1000 Cash	[signature]	[signature]	[signature]
30	Navin Chandra Srivastav	Kaushyla P.G. College Dilawarpur Mariahu	1000 Cash	[signature]	[signature]	[signature]
31	Ashok Kumar Singh Kushwaha	Kaushyla P.G. College Dilawarpur Mariahu Jaunpur	1000 Cash	[signature]	[signature]	[signature]
32	Sadhana	LL.M. Tilakdhari College of Law	500 – Cash	[signature]	[signature]	साधना

S.No.	Name	Organisation / Institution	Payment	Kit	Certificate	
33.	Ashutosh Mishra -	R.S. Tilakdhari College of Jaunpur	500 - Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
34.	Beena Rani Singh	Assistant Teacher UP Basic Siksha Department	1000 - OP	Beena Singh	Beena Singh	Beena Singh
35	Dr. Praveen Kumar Tiwari	Mariahu P.G. college Mariahu Jaunpur.	1000/ Cash			Praveen
36	Dr. Sunil dutta mishra	Mohammad HASSAN P.G. College Jaunpur	1000/ Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
37.	Dr. Dayanand Upadhyay	Same as above; Media Education in Indian Universities	1000/ Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
38	Garima Tiwari		500/- Cash	Garima Tiwari	Garima Tiwari	Garima Tiwari
39.	Dr. M. Zahoorul Alam	Dept. of Sociology, Shibli National College, Azamgarh.	1000/- online	[illegible]	Zahoor	[illegible]
40.	Dr Afzal Ahmad.	Dept. of Teacher Education Shibli National College, Azmgh -	1000/- on line	[illegible]	[illegible]	Afzal.
41	अमित कुमार यादव	Dep. Hindi, Lucknow UNI, Lucknow	500/ Cash	अमित कुमार यादव	अमित कुमार यादव	अमित कुमार यादव
42	Archana Singh	St. Research R.S.K.D. P.G. college	500/ cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
43	Sweta Singh	M.Ed. R.H.S. P.G. Singramau Jaunpur	500 -/ NEFT	Sweta Singh		Sweta Singh
44	Shashi Minz.	Research Scholar Indira Gandhi National Tribal University Amar Kantak	500/= Cash	Shyamal		
45.	Mukesh.	"	500/= Cash.	Shyamal		
46.	Dinesh	"	500/= Cash	Shyamal		
47.	Sanjay Karan	"	500/= Cash	Shyamal		

30/10/2017

30/10/2017

S.N.	Name	Organisational/Institution	Payment	Kit	Certificate	Sign.
1	RAMA NISHAD	SHUATS, ALLAHABAD	500/-Online	Rama	[illegible]	Rama
2	MANEESHA MISHRA	SHUATS, ALLAHABAD	500/-Online	Maneesha	[illegible]	Maneesha
3	Prarthana Nishad	SHUATS, Allahabad	500/-Online	Prarthana	[illegible]	Prarthana Nis
4	Swati Singh	SHUATS, Allahabad	500/-Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
5	Amar singh Rana	SHUATS ALLAHABAD	500/Online	[illegible]	[illegible]	[illegible]
6	Purvi Nishad	SHUATS, Allahabad	500/Online	Purvi	[illegible]	[illegible]
7	Dr. Anjali Mathur	SHUATS, Allahabad	1000/Online	Purvi	[illegible]	Purvi Nishad
8	Dr. Anshu	SHUATS, Allahabad	1000/Online	Purvi	[illegible]	Purvi
9	Dr. Nisha ~~Chatto~~ Chado	SHUATS, Allahabad	1000/Online	Purvi	[illegible]	Purvi
10	Shyam Pyari Patel	Mariahun Jaunpur.	500/Online	SB	[illegible]	Purvi
11	Dr Arun Kumar Patel	R.P.G. College Jamuhai Jnp	1000/Cash	[illegible]	[illegible]	SB
12	Dr Preeti singh	Bolorganj datt Mahavidyalay	1000/Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
13	OM PRAKASH	S.K.G.D.C. Lalganj	500 Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
14	Dr. Awadh Bihari Singh	Mass Communication VBSPU Jaunpur	1000/online	AB	[illegible]	[illegible] AB
15	Dr Harindra Singh Patel	Ganga gauri P.G college Baranw Bajipur	1000/on Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
16	Dr. Vinod Kumar [illegible]	R.P.G. College Jamuhai	1000/- Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
17	Dr. Manoj Kr. Singh	R.P.G. College Jamuhai Jnp	1000/Cash	[illegible]	[illegible]	[illegible]
18	डॉ रंग राम	स्वामी सहजानन्द पी० जी० कॉलेज	1000/नगद	रंग राम	रंग राम	रंग राम
19	डॉ राकेश प्रताप शाही	श्री भगवान महावीर पी० जी० कालेज	1000/cash	Bsingh	Bsingh	Bsingh
20	DR OMPRAKASH CHAURASIA	हरिश्चन्द्र पी.जी. कॉलेज, वाराणसी; O.Pra 1979 @ gmail.com; Whatsapp no. 9450878276	1000/नगद	[illegible]	[illegible]	[illegible]
21	Pravin Kumar	Dep of Chemistry/ASRC Go College	1000		✓	
22	Dr Rachna Singh	Deptt of Psychology Agra College	"		✓	
23	Dr. Poonam Chand.	Deptt of " "	"		✓	
24	Dr. Jai Prakash	" " "	"		✓	
25	Dr. Asinka Chauhan	" " "	"		✓	
26	Dr. Deepali Singh	" " "	"		✓	
27	Dr. Chandravir Singh	" Physics "	"		✓	
28	Dr Pravendra Kumar	" Sociology Dayalbagh Agra	"		✓	
29	Dr. Pravin Kumar					
30	Dr R.N Ojha	T.D.P.G College				
31	Dr S.K Singh	~~T.D. P.G College~~ Jaunpur; Principle, Mariyahu				
32	Ms. Shubhra	Malfar. Azamgarh	500		✓	
33	Namra S. Bhardwaj	Handia Allahabad	500		✓	

Sr no	Name	Organization & Topic	Payment	Kit	Certificate	Signature
34	Neha Pathak.	Magadh University Bodhgaya.	500		✓	
35	Dr. Alok Singh	T D College Jaunpur (PG)				
36	Dr Ruta Singh.	T.D College Jaunpur (PG)				
37	Rashikesh.	H.R.D. VBSPU				
38	Shiv Kumar					
39	Shiv Shankar Yadav	Statistics Resi				
40	Jarir Ali	Jarir Ali				
41	Rakesh Kr. Yadav					
42	Shipra Kesari					
42	Amit Kr. Maurya					
43	Deepak Yadav					
44.	Dr. Shams. Alam				Dr B.D. Shukla	
45	Dr. Md. Iqbal Siddiki					
46.	Firoj Alam					
47	Dr. Arun kumar.					
48	Sanjay Kumar Singh					
49.	Dr. Akhilesh Kumar Sharma					
50	Kr. Divylata sharma.					
57	Jitendra Dubey.	Amar Ujala Jaunpur.				
58	Dev Vrat Mishra.	T.D. P.G college				

Student Certificate.

1	Shubhanshu Devi.	HRD		
2	Serajam Munisa	"		
3	Seraj Ahmad	"		
4	Sadique Shakeel	"		
5	Rachit Sinha.	"		
6.	Pramod Kumar	"		
7.	Nitesh kr Rai	"		
8.	Honey Soni	"		
9.	Md. Atif.	"		
10.	Md. Azhar	"		
11.	Ashwini Kr Yadav	"		
12.	Abbas Abidi	"		
13.	Adiba Anwar	"		
14	Shubham Yadav	"		
15.	Adarsh Tiwari			

S.No.	Name	Department	Certificate	Signature
16	Pankaj kumar	HRD		
17	Sakshi Tripathi	"		
18	Shivi Srivastava	"		
19	Ashutosh k. Gupta	"		
20.	Vivek k. Chauhan	"		
21.	Abhishek Singh	"		
22.	Ayesha Bano.	"		
23.	Pavan kr. Yadav	"		
24.	Akash Kushwaha	"		
25.	Preeti Mishra	"		
26.	Alok Dubey	"		
27.	Pawan Singh			
28.	Mohd Moosa khan	"		
29.	Chandra Yadav	"		
30.	Aradhna Srivast	"		
31.	Akanksha Rathore	"		
32.	Priyanka Srivastava	"		Priyanka
33.	Shipra Singh	"		
34.	Nisha Sahu	"		
35.	Shefaly Srivastava	"		
36.	Kritika Singh	"		
37.	Vimal k. Maurya	"		
38.	Rajan Singh	"		
39.	Mr. Ajman khan	"		
40.	Hemant Shukla	"		
41.	Gyaneshwar V.	"		
42.	Shaukat Sri.	"		
43.	Pankaj Patel	"		
44.	Avantika Sri.	"		
45.	Vivek kr. Singh	MBA (Agri)	V.Singh.	V.Singh.
46.	Manik Raj	"		Manikraj
47.	Shyam Prakash	"	Shyam Prakash	[illegible]
48.	Amit Chaurasia	MBA (Agri)		Amit
49.	Qutbul Zia	"		
50.	Devesh Singh	"		Devesh Singh
51.	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

S.No.	Name	Department	Certificate	Signature
52.	Indrajit Yadav	MBA	✓	[illegible]
53.	Ghulam Sarwar	MBA	✓	Gulam Sarwar
54.	Mohd. Kaleem		✓	(Kaleem Khan)
55.	Ankit Singh	MBA (Agri)		A.Singh.
56.	Vipul Yadav	MBA (Agri)	✓	Vipul yadav.
57.	Saurabh Sri	MBA		
58.	Mohd. Saud.	"	✓	Kaleem Khan
59.	Ashish Srivastava	"	✓	[illegible]
60.	Nilesh Gupta	"	✓	Nilesh
61.	Priya Singh	"		
62.	Roshani Gautam	"	✓	Roshani Gautam
63.	Sakshi Sahani	"	✓	[illegible]
64.	Dileep kumar	"	✓	Dilip
65.	Vikash Tripathi	"	✓	Tripathi
66.	Raghavendra S.	"	✓	R.Singh.
67.	Devesh k. Singh			D.Singh
68.	Harsh Singh	"		
69.	Pradyush Tyagi	"	✓	[illegible]
70	Atul Pandey	"	✓	Atul Pandey
71.	Abhishek Singh	MBA (Agri)	✓	Abhishek Singh
72.	Shyamal Sri.	MBE.	✓	[illegible]
73.	Ashish kumar	MBA	✓	Ashish
74.	Anand Gupta	MBA	✓	Anand
75.	Sandeep Yadav	MBA	✓	Sandeep
76.	Mohd. Faisal	MBA	✓	Faisal
77.	Masood Ahmad	MBA	✓	Kaleem Khan
78.	Pramod k. Yadav	MBA		
79	Hemant k. Vishw	MBE		
80.	Kamini Updh	MBE		
81.	Sarita Srivastava	MBE		
82.	Pooja Singh.	MBE.		
83.	Prince Singh	MBA	✓	P.Singh.
84.	Indresh Kumar	Librarian (FMS)	✓	[illegible]
85.	Rajat Gupta	MBA	✓	[illegible]
85.	Saurabh Srivastava	MBA	✓	Saurabh

S.No.	Name	University	Sign.
86	Ajanta Giri	Doon Uni.	Purohit Sir.
87	Ankita Mondr.	"	
88	Gaganjeet kaur	"	
89	Reena Singh	"	
90	Arti Negi	"	
91	Aishwary P. Singh	"	
92	Shalini Srivastava	"	

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
माह अप्रैल 2022 में आयोजित कार्यक्रमों की आख्या

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर 222003 उत्तर प्रदेश, भारत

14 अप्रैल 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया गया डॉ भीमराव आंबेडकर जन्मजयंती

डॉ. आंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता : प्रो. देवराज

समरसता दिवस के रूप में मनाई गई बाबा साहब की जन्मजयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास तथा नवाचार केन्द्र में डॉ भीमराव आंबेडकर की जन्मजयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ आंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआछूत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछड़ों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ श्याम कन्हैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डेन तथा मुख्य वक्ता डॉ नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछड़ों के प्रेरणा स्त्रोत है । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. आंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ आंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ आंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बॉम्बे विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बाम्बे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में में उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंतःवासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंदर, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःवासी मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता

बोले प्रो. देवराज

समरसता दिवस के रूप में मनाई बाबा साहब की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआछूत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछड़ों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निमार्ता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. श्याम कन्हैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डेन तथा मुख्य वक्ता डॉ. नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछड़ों के प्रेरणा स्त्रोत है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. आंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ. आंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ. आंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बॉम्बे विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बाम्बे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में में उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंतः वासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंदर, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःवासी मौजूद रहे।

अंबेडकर की विचारधारा आज भी प्रासंगिक और अनुकरणीय : डॉ रसिकेश

पीयू में अंबेडकर जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

संवाददाता जन धमाका टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शोध व नवाचार केंद्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह मनाया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य की प्रेरणा से मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ रसिकेश ने डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर अपने विचार को रखा। डॉ रसिकेश ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने किसी जाति विशेष की बात न करके भारत को संविधान जैसी अनमोल कृति दी। उनके हर शब्द और विचार आज भी प्रासंगिक और अनुकरणीय है। वह दलितों के मसीहा नहीं सर्वसमाज को नई दिशा देने वाले महापुरुष थे।

कार्यक्रम में नीरज श्रीवास्तव ने युग परिवर्तन गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। युवा छात्र नेता उदेश्य सिंह ने सभी छात्रों व अतिथियों को बालिका सुरक्षा शपथ मिशन शक्ति फेज चार के तहत दिलाई और अपने विचार साझा किया। मिशन शक्ति की सदस्य डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ श्रीवास्तव ने बताया गूगल मीट के माध्यम से पूर्वांचल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों को जोड़ा गया। डॉ राकेश यादव समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने महाविद्यालयों को कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीडी शर्मा ने डॉ अंबेडकर के विचारों पर विस्तृत चर्चा की और डॉ अंबेडकर के विचारों को युग परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के छात्रों ने भाषण में प्रतिभाग किया, जिसमें आस्था गुप्ता व नेहा गुप्ता को प्रथम पुरस्कार, निकिता मिश्र व सचिन कुमार को द्वितीय पुरस्कार, मोनिका मौर्य को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्जन व दीप प्रज्वलन किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ विनीता सिंह व कार्यक्रम का संचालन डॉ विनय वर्मा व डॉ सौरभ झा ने किया। कार्यक्रम में डॉ राजेश कुमार, उदेश्य सिंह, राजा बाबू पटेल, आलोक मिश्र, सौरभ कन्नौजिया, शिवभूषण सिंह, विवेक पाण्डेय, आलोक मौर्य, शनि सरोज, प्रिंस त्रिपाठी, उदेश्य सिंह, उपसेन यादव सहित समस्त छात्र उपस्थित रहे।

18 अप्रैल 2022 जनसंचार विभाग में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस

विश्व धरोहर दिवस पर जनसंचार विभाग में गोष्ठी का हुआ आयोजन

सोमवार, अप्रैल 18, 2022

वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर है संकट- डॉ. विजयेंदु

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया.गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि जन माध्यमों ने धरोहरों के संरक्षण में बड़ी भूमिका अदा की है. जनमाध्यम खबरों के द्वारा निरंतर धरोहरों के रखरखाव के प्रति शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहते है.उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर दिवस की इस बार की थीम धरोहर और जलवायु है. यह विषय बहुत ही संवेदनशील है. वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर संकट है. इसकी सुरक्षा मानव ही कर सकता है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ताजमहल विश्व धरोहर है जिस पर प्रदूषण के खतरे को मीडिया ने बार- बार उठाया है.
जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि धरोहरों को सहेजने की जरूरत है इससे हमारी पहचान जुड़ी है. उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और विरासत पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है. भारत में वर्तमान में 40 यूनेस्को विश्व विरासत स्थल हैं वह आगे की पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहे यह सबकी जिम्मेदारी है. इसी क्रम में डॉ अवध बिहारी सिंह ने कहा आज कई वेबसाइटों पर धरोहरों से संबंधित गलत सूचनाएं उपलब्ध है.

सही जानकारी के लिए प्रतिष्ठित वेबसाइटों से ही जानकारी लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि देश की धरोहरें हमारी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है. कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी के संयोजक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार ने किया. इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे.

21 अप्रैल 2022 : नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया

देश की धरोहर को बचाए रखने के लिए देश की सेवा में योगदान जरूरी- कुलपति निर्मला एस मौर्य ,

कुलपति निर्मला एस मौर्य , वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की निर्देशन एवं मिशन शक्ति टीम के सहयोग से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में आजादी के अमृत महोत्सव , मिशन शक्ति फेज ४ के अन्तर्गत विश्वविद्यालय प्रांगण के नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महोदया प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि आज की युवाओं को यह देखने की जरूरत है कि वे देश को क्या दे रहे हैं? उन्हें देश को आगे बढ़ाने के लिए सजग योगदान देने की जरूरत है।

कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार ने अपने वक्तव्यों से छात्र छात्राओं को आकर्षित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता को बनाए रखना हीं हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए और इसके लिए आज की युवाओं व नागरिकों को आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट वक्ता डॉ राज बहादुर यादव सह आचार्य अंग्रेजी विभाग , मेहरावा पी जी कालेज ने कहा कि समाज सेवा से हमारे व्यक्तित्व का विकास संभव है और इसके लिए समाज में महिलाएं मुख्य योगदान दे रही हैं।

डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य हमेशा ऊंचा रखना चाहिए और जौनपुर की मिट्टी में ऐसी बात है कि यहां के छात्र - छात्राएं कुछ भी करने की काबिलियत रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मिशन शक्ति टीम छात्र छात्राओं को पूरी तन्मयता से जागरूक करने का कार्य कर रही है।

मुख्य वक्ता डॉ सुरेश कुमार जिला प्रचारक , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि समाज, देश व राष्ट्र के नागरिकों की सेवा में योगदान देने वाला हीं जाग्रत राष्ट्र की अखण्डता , एकता व प्रभूता को बनाए रख सकती है इसलिए हम सभी को मिलकर इसके लिए कार्य करने की जरूरत है साथ हीं उन्होंने बताया कि मनुष्य का भाव, मनुष्य के चरित्र का निर्माण करता है, इसलिए आज की युवाओं को एक सच्चा नागरिक बनकर देश की सेवा में योगदान देने की जरूरत है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ वनिता सिंह ने , स्वागत भाषण डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव तथा धन्यवाद सह समन्वयक डॉ विनय वर्मा ने किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ प्रियंका एवं मिशन शक्ति सदस्य डॉ सोनम झा, डॉ रेखा पाल, डॉ पूजा सक्सेना का विशेष योगदान रहा। तकनीकी सहयोग , शोध छात्र अवनीश विश्वकर्मा ने किया। इसके अलावा शिक्षक गण प्रोफेसर ए के श्रीवास्तव , डॉक्टर नृपेंद्र सिंह, डॉ रजनीश भास्कर डॉक्टर सुशील कुमार , डॉक्टर राजेश कुमार एवं छात्र-छात्राएं सिवासंकर , विवेक पांडे , आलोक मौर्य अर्पित श्रीवास्तव ,प्रवीण कुमार , सनी कुमार ,सरोज, पीयूष यादव अंतिमा , वैश्णवी श्रीवास्तव ,मोनिका मौर्या , आजाद केसरी सत्यम यादव, लालू यादव आदि उपस्थित रहे।

देश की धरोहर को बचाने में योगदान जरूरी

बोलीं कुलपति

22 अप्रैल 2022 पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता, ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने किया पौधरोपण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को पृथ्वी दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर पृथ्वी दिवस की थीम हमारा गृह पृथ्वी का संरक्षण एवं पर्यावरण को रखकर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह समारोह आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मिशन शक्ति फेस - 4 के अंतर्गत लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मनाते हैं। कार्यक्रम सचिव डॉक्टर पूजा सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। निर्णायक मंडल में डॉ मुक्ता राजे डॉक्टर जया शुक्ला डॉ अनीता सिंह डॉ प्रियंका रहीं। छात्राओं का हौसला अफजाई मिशन शक्ति के डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्का ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया । इसी बीच शिक्षकों के ट्रांजिट हॉस्टल में पौध रोपण का कार्यक्रम किया गया है। इस अवसर पर डॉ विनय वर्मा ने कहा कि पृथ्वी सुरक्षित रहेगी तभी हम सुरक्षित रहेंगे। ऐसे में हमें चारों तरफ हरियाली लाकर प्रकृति के संतुलन को बनाना जरूरी है। इस अवसर पर डॉ विवेक कुमार पाण्डेय, डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ दीप सिंह, डॉक्टर अनीश, अवधेश कुमार मौर्या, डॉ डॉक्टर दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे ।

पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में पोस्टर स्पर्धा

नामांकन को किया प्रेरित

24 अप्रैल 2022 : लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद बिठाया गया जिसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करके , 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 'मनाया गया।

इस अवसर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे आस्था थर्ड पुरस्कार विजेता निधि दुबे और सुंदरम दुबे रहे।कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मना रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो बी डी शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागडोर संभालेगी ,ऐसे में इस तरह के विषयों को समझना जानना अति आवश्यक है , मुख्य अतिथि के रूप में छात्रावास के चीफ वार्डन डॉ रजनीश भास्कर ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समय समय पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है ,इस अवसर पर डॉ पूजा सक्सेना ने कहा कि छात्राओं को भी नियमित रूप से समाचार सुनना एवं पढ़ना चाहिए, डॉ झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हौसला अफजाई किया ।प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्का ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया । अंत में सभी आगंतुको के प्रति डॉ जया शुक्ला ने आभार प्रकट किया ।कार्यक्रम का संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस त्रिपाठी ने किया इस अवसर पर आलोक मौर्य सनी सरोज सुमित सिंह सूर्यकांत तिवारी ,करण राजभर,ऋषभ,एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे ।

प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में होता है नेतृत्व का विकास

व्यूरो आज का परिणाम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार को लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करके , 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया गया। चीफ वार्डन डॉ0 रजनीश भास्कर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताए समय समय पर महाविद्यालयो एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए। इससे छात्रो में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। प्रो. बी डी शर्मा ने कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागडोर संभालेगी ,ऐसे में इस तरह के विषयो को समझना जानना अति आवश्यक है। भाषण प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य, सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे, आस्था थर्ड पुरस्कार

विजेता निधि दुबे और सुंदरम दुबे रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मना रहे है। आयोजन सचिव डॉ0 विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ0 पूजा सक्सेना, डॉ झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हौसला अफजाई किया। डॉ जया शुक्ला ने आभार और संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर आलोक मौर्य, सनी, सरोज, सुमित सिंह, सूर्यकांत तिवारी,करण राजभर, ऋषभ,एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे ।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

प्रगति आख्या

(दिनांक: 16 सितम्बर 2019 से 19 सितम्बर 2021)

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र

टेक्सटाइल मंत्रालय की समर्थ योजना अंतर्गत "सिलाई मशीन ऑपरेटर" प्रशिक्षण शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय एवं पी एम् जी कॉमर्स एज लिमिटेड के बीच 3 अगस्त 2021 को समझौता ज्ञापन करते हुए

15 अगस्त 2022 को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र पर समूह चित्र

प्रो० निर्मला एस० मौर्य
कुलपति

डॉ० राज कुमार
नोडल ऑफिसर

हमारी प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं

कुलाधिपति उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय

हमारे संरक्षक

श्री योगी आदित्यनाथ

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

विश्वविद्यालय के विकास में नये आयाम देने के लिए तत्पर

प्रो० निर्मला एस० मौर्य

माननीय कुलपति

सन्देश

विद्यार्थियों को डिग्री स्तर की शिक्षा देने के अतिरिक्त विश्वविद्यालय का सामाजिक कर्तव्य बनता है कि उसके आस-पास के ग्रामीण अंच्चल को भी विश्वविद्यालय लाभान्वित करे | बेरोजगारों को उनकी रुचि के अनुसार प्रशिक्षित करते हुए रोज़गार प्रदान किया जाये अथवा स्वव्यवसाय चलाने योग्य बना दिया जाये, जिससे वह अपने परिवार की गुजर-बसर ठीक से कर सके | इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन माननीय डॉ० महेंद्र नाथ पाण्डेय जी (केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री) के कर कमलों द्वारा तीन वर्ष पूर्व दिनांक 16 सितम्बर 2019 को हुआ था | मुझे यह बताने में बड़ी खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय ने अपने आसपास के ग्रामीणों का कौशल बढ़ाते हुए रोजगार दिलाने में अपनी भूमिका अदा करते हुए आज 3 वर्ष का समय पूर्ण कर लिया है | विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से आसपास के बेरोजगार युवक/ युवतियों एवं महिलाओं को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करते हुए उन पर अपनी कार्य योजनाओं को मूर्त रूप देते हुए प्रयास प्रारंभ कर दिया गया है | दिनांक 3 अगस्त 2021 को विश्वविद्यालय ने पी एम जी कॉमर्स एज लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन किया | समझौता ज्ञापन करते समय पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आसपास के कई गांव के बेरोजगार युवक/ युवतियों एवं महिलाओं को शुरू कराए जाने वाले सिलाई मशीन ऑपरेटर के प्रशिक्षण के बारे में अवगत कराया गया कि टेक्सटाइल मंत्रालय के द्वारा चलाई जा रही है समर्थ योजना के अंतर्गत उनको नि:शुल्क प्रशिक्षण देते हुए रोजगार दिलाया जाएगा | केंद्र पर इस प्रशिक्षण के दो बैच दिनांक 28 अप्रैल 2022 से प्रारंभ कर दिया गये |

विश्वविद्यालय ने सदैव छात्र हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किया | मेरी समस्त विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि समुचित पठन-पाठन के साथ-साथ आप चारित्रिक, आध्यात्मिक एवं चतुर्दिक विकास को अंगीकृत करें तथा अपने उद्देश्य में सफलता प्राप्त कर पूर्वांचल विश्वविद्यालय की गरिमा में लगातार अभिवृद्धि करते रहें | आपका जीवन पथ प्रशस्त हो |

शुभकामनाओं सहित !

प्रो० निर्मला एस मौर्य

कुलपति

नोडल अधिकारी

मुझे यह बताने में अति प्रसन्नता हो रही है कि आज कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र संचालित हुए 3 वर्ष पूर्ण हो गए हैं | माननीय महेंद्र नाथ पांडेय जी के कर कमलों द्वारा 16 सितंबर 2019 को इस प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया गया था | विश्वविद्यालय ने कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करते हुए आस-पास के ग्रामीण अंच्चल को भी लाभान्वित करने की दिशा में विशेष पहल की है | इस केंद्र का उद्देश्य बड़ी संख्या में युवाओं के कौशल का संवर्धन तथा उन्हें उद्योग से संबंधित कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाया है, जो उन्हें बेहतर आय प्राप्त करने में मदद कर सकेंगे। ऐसे युवा जो स्कूल / कॉलेज छोड़ चुके हैं एवं बेरोजगार हैं, वे इस प्रशिक्षण केंद्र में दिए गए अल्पावधि प्रशिक्षण से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमें इन 3 वर्षों में लगभग 1 वर्ष से अधिक का समय कोविड-19 महामारी के विरुद्ध संघर्ष करने में बिताना पड़ा इसका सबसे बड़ा नुकसान उन बेरोजगारों को हुआ जो प्रतिदिन सुबह से शाम तक मेहनत मजदूरी कर अपनी आजीविका चला कर अपना पेट भरते थे | मैं माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस० मौर्य जी का आभार व्यक्त करूंगा कि जिनके विश्वास के कारण आज मैं विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र के नोडल अधिकारी की जिम्मेदारियों का निर्वहन उनके दिशा निर्देशन में कर रहा हूं| माननीय कुलपति केवल शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए ही नहीं बल्कि सामाजिक हितों के लिए भी विश्वविद्यालय को समाज में आगे लाकर कार्य करना चाहती हैं | उनकी इच्छा तथा नेतृत्व का परिणाम है कि हमने विगत वर्ष 3 अगस्त 2021 को समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय एवं PMG Commerce Edge Pvt. Ltd. के मध्य हस्ताक्षरित किया | जिसके माध्यम से हमारे कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र को सिलाई मशीन ऑपरेटर का प्रशिक्षण सिखाने के लिए मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल की समर्थ योजना के अंतर्गत एक केंद्र के रूप में संचालित किया जा रहा है| इस प्रशिक्षण में हम 240 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा | साथ ही साथ इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार दिलाएंगे अथवा उन्हें अपना रोजगार चलाए जाने योग्य बनाने हेतु प्रयासरत रहेंगे |

कोविद महामारी के कारण हम विगत 3 वर्षों में अपने प्रयास को उस स्तर तक नहीं पहुंचा सके जहां तक जाना चाहिए था परंतु हमारे वर्तमान प्रयास सार्थक दिशा में बड़ी तेजी से युवाओं का कौशल बढ़ाते हुए रोजगार दिलाने की ओर अग्रसर है | मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं शिक्षण कार्य के अलावा सामाजिक हित से जुड़ी इस जिम्मेदारी को बड़े ही सेवा भाव से पूरा करूंगा | मेरी आप सभी के लिए शुभकामनाएं |

डॉ राज कुमार

दिनांक 18 अगस्त 2021 को आयोजित अभिप्रेरण कार्यक्रम "आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बने और रोजगार दिलाएं" के आयोजन के चित्र एवं इस कार्यक्रम के संदर्भ में समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

लेमनग्रास, तुलसी, चमेली की खेती लाभप्रद: विनय शुक्ला

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र, महिला अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा फ्रेगरेंस फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर (एफएफडीसी) के संयुक्त तत्वावधान में आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बनाएं और रोजगार दिलाएं विषय पर एक

जौनपुर की धरती को हरियाली में बदल देंगी : कुलपति

अभिप्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि एफएफडीसी के निदेशक शक्ति विनय शुक्ला ने सुगंध एवं स्वाद उद्योग के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए फैशन के कारण यह उद्योग आगे बढ़ा। खाद्य तथा अन्य सुगंधित पदार्थों में इन पेड़ पौधों के तेल का उपयोग होता है। उन तेलों की कीमत सोने से भी अधिक होती है। साबुन में खुशबू व लेप में महक आदि के लिए इसी प्रकार के पेड़ पौधों का उपयोग किया जाता है। लेमन ग्रास, तुलसी, गुलाब, चमेली आदि की खेती काफी लाभप्रद होती है। किसानों को इसकी सही जानकारी न होने के कारण वह लोग इस प्रकार की उत्तम पैदावार नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि सरकार से इस प्रकार की योजनाओं का प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय को लाना चाहिए। विश्वविद्यालय की कुलपति ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि यह बड़ा ही गौरव का विषय है कि आज कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से हम लोग एफएफडीसी के साथ कार्य करते हुए समाज को कौशल एवं रोजगार से जोड़ने में आगे बढ़ सकेंगी। हमें डर-डर कर कार्य नहीं करना है क्योंकि जिनके इरादे नेक और बड़े होते हैं वह अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचा देते हैं। हमें जौनपुर की औसत धरती को हरियाली में बदल देना है।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करती पूर्वांचल विवि की कुलपति।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि और उद्योगपति अतुल अग्रवाल ने कहा कि इत्र की खेती में बहुत बड़ा लाभ प्राप्त होता है परंतु आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी ज्ञान के अभाव में हम लोग उसका उत्पादन नहीं कर पाते। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय राय, महिला अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, अतिथि एस के यादव, उद्योगपति ओम प्रकाश जायसवाल ने भी विचार व्यक्त किए। नोडल अधिकारी कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र डॉ राज कुमार द्वारा धन्यवाद और संचालन डॉक्टर नितेश जायसवाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कुलसचिव महेंद्र कुमार द्वारा किया गया अतिथियों का परिचय तथा कार्यक्रम की संपूर्ण रूप रेखा के बारे में समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ राकेश कुमार यादव द्वारा बताया गया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रामनारायण, प्रो. वंदना राय, डॉ मनोज मिश्र, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ संजीव गंगवार, प्रो. देवराज, डॉ मंगलाप्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ गिरधर मिश्र, सौरभ सिंह, उप कुलसचिव वीरेंद्र कुमार मौर्य, सहायक कुलसचिव अमृतलाल, दीपक कुमार सिंह, बबीता सिंह तथा कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी डॉ के एस तोमर तथा लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, अवधेश सिंह एवं आसपास के ग्रामीणों एवं महिलाओं ने भाग लिया।

सम्मन बजरिये इश्तहार
मुकदमा आर्डर 5 कायदा 1 व 5
बअदालत न्यायालय प्रधान न्यायाधीश/परिवार न्यायालय, चन्दौली
मुकदमा नम्बर 408 सन् 2020 ई.

मनग्रास, तुलसी चमेली की खेती लाभप्रद: विनय शुक्ला

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र, महिला अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा फ्रेगरेंस फ्लेवर डेवलपमेंट सेण्टर के संयुक्त तत्वावधान में आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बनाएं और रोजगार दिलाएं विषय पर एक अभिप्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि एफएफडीसी के निदेशक शक्ति विनय शुक्ला ने सुगंध एवं स्वाद उद्योग के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए फैशन के कारण यह उद्योग आगे बढ़ा। खाद्य तथा अन्य सुगंधित पदार्थों में इन पेड़ पौधों के तेल का उपयोग होता है। उन तेलों की कीमत सोने से भी अधिक होती है। साबुन में खुशबू या लेप में महक आदि के लिए इसी प्रकार के पेड़ पौधों का उपयोग किया जाता है। लेमन ग्रास, तुलसी, गुलाब, चमेली आदि की खेती काफी लाभप्रद होती है। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्या ने भी संबोधित किया।

पीयू के आर्यभट्ट सभागार में एफएफडीसी के निदेशक शक्ति विनय शुक्ला को अंगवस्त्रम व स्मृति चिह्न भेंट करती कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्या। • हिन्दुस्तान

विशिष्ट अतिथि और उद्योगपति अतुल अग्रवाल ने कहा कि इत्र की खेती में बहुत बड़ा लाभ प्राप्त होता है परंतु आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी ज्ञान के अभाव में हम लोग उसका उत्पादन नहीं कर पाते। इस मौके पर वित्त अधिकारी संजय राय, महिला अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, अतिथि एस के यादव, उद्योगपति ओम प्रकाश जायसवाल ने भी विचार व्यक्त किए।

नोडल अधिकारी डॉ राजकुमार ने धन्यवाद और संचालन डॉक्टर नितेश जायसवाल ने किया। अतिथियों का स्वागत कुलसचिव महेंद्र कुमार और परिचय तथा डॉ राकेश कुमार यादव ने दिया इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रामनारायण, प्रो. वंदना राय, डॉ मनोज मिश्र, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ संजीव गंगवार, प्रो. देवराज अन्य ने भाग लिया।

पीयू में उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की तिथि बदली

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की तिथि में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तन किया गया है। सभी प्राचार्य, शिक्षकों और वाह्य परीक्षकों से अनुरोध है कि वह बदली हुई तिथि पर ही मूल्यांकन के लिए आएं। प्राणिविज्ञान का मूल्यांकन 23 अगस्त को, भूगोल का मूल्यांकन 25 अगस्त को होगा।

लेमन ग्रास, तुलसी और चमेली की खेती लाभप्रद

संवाद न्यूज एजेंसी

जौनपुर की धरती को हरियाली में बदलने के लिए करें पहल : कुलपति

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में बुधवार को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र, महिला अध्ययन केंद्र, राष्ट्रीय सेवायोजना और फ्रेगरेंस फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर (एफएफडीसी) के संयुक्त तत्वावधान में आओ कौशल बढ़ाएं, उद्यमी बनाएं और रोजगार दिलाएं विषय पर एक अभिप्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि एफएफडीसी के निदेशक शक्ति विनय शुक्ला ने सुगंध एवं स्वाद उद्योग की जानकारी दी। कहा कि खाद्य तथा अन्य सुगंधित पदार्थों में पेड़ पौधों के तेल का उपयोग होता है। उन तेलों की कीमत सोने से भी अधिक होती है। साबुन में खुशबू या लेप में महक आदि के लिए इसी प्रकार के पेड़-पौधों का उपयोग किया जाता है। लेमन ग्रास, तुलसी, गुलाब, चमेली आदि की खेती काफी लाभप्रद होती है। कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने कहा कि यह बड़े ही गौरव का विषय है कि आज कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से हम लोग एफएफडीसी के साथ कार्य करते हुए समाज को कौशल एवं रोजगार से जोड़ने में आगे बढ़ सकेंगे। विशिष्ट अतिथि और उद्योगपति अतुल अग्रवाल ने कहा कि इत्र से लाभ प्राप्त होता है। लेकिन, आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी ज्ञान के अभाव में हम लोग उसका उत्पादन नहीं कर पाते। इस दौरान वित्त अधिकारी संजय राय, महिला अध्ययन केंद्र प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, उद्योगपति ओमप्रकाश जायसवाल ने भी विचार व्यक्त किया।

Memorandum of Understanding

has been agreed and executed on

the 3rd day of August 2021

Between

Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur

And

PMG Commerce Edge Limited

(Referred to as "PMG")

a company duly registered with

Registrar of Companies, Kanpur, U.P.

having **CIN U74120UP2010PLC042418** and its

registered office at 39/41, First Floor, Ring Market, (BIDA), Rajpura, Bhadohi, U.P. 221401

f) Both the parties will open a joint bank account of this project to monitor the payment and receipts for the purpose of IP's fund utilization.

In the normal course, this Agreement shall not be terminated by either of the parties. A lock in period of **Two Financial Year** from the date of Signing and shall be binding on both the sides. If, for any reason either of the party decides to terminate this Agreement, then it will give **three months' notice** to the other party and within this period both the parties will continue to discharge their obligations. Termination of this Agreement will not, in any event, release either of the parties from the obligations arising out of the interventions already carried out.

Both the parties acknowledge the confidentiality of the information, and further agrees not to disclose any proprietary or confidential information relating to the Project, the Services, this Agreement, or each other's business operations without the prior mutual written consent.

SIGNED, SEALED AND DELIVERED	**SIGNED, SEALED AND DELIVERED**
For and on behalf of	*For and on behalf of*
VBS Purvanchal University, Jaunpur	**PMG Commerce Edge Limited**
(Mr. Mahendra Kumar)	(Dr. Prateek Singh)
Registrar	Managing director

टेक्सटाइल मंत्रालय (MoT) की समर्थ योजना के अंतर्गत "सिलाई मशीन ऑपरेटर" का प्रशिक्षण शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय एवं पी एम् जी कॉमर्स एज लिमिटेड के बीच दिनांक 3 अगस्त 2021 को समझौता ज्ञापन के लिए आयोजित अभिप्रेरण कार्यक्रम के चित्र एवं विभिन्न समाचार पत्रों में इस सन्दर्भ में प्रकाशित समाचार

बदलती दुनिया में अपने आपको स्थापित करने के लिए कौशल जरूरी : गौरव सिंह

रोजगार के अवसर के लिए विश्वविद्यालय ने रखी नींव : कुलपति

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया।

इस दौरान पीएमजी रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉक्टर प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिए कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े

समझौता ज्ञापन सौंपते पीएमजी ग्रुप के लोग।

लोगों के लिए हैं। सरकार की समर्थ योजना टेक्स्टाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही हैं, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मंच भी देगा और सहभागिता भी निभावेगा। विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। वित्त अधिकारी संजय राय ने कहा कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की पहल में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभाएगी। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमार ने प्रस्तुत की।

संचालन नितेश कुमार जायसवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, डॉ.संतोष कुमार, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ प्रमोद यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा, डॉ. के एस तोमर समेत सभी सहायक कुलसचिव और शिक्षक उपस्थित थे।

डिजिटल खबर एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
8081732332
9918557796
भारत व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
तेजस टूडे
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
वर्ष 12, अंक 229, बुधवार, 04 अगस्त, 2021

बदलती दुनिया में अपने आपको स्थापित करने के लिये कौशल जरूरी: डा. प्रतीक

रोजगार के अवसर के लिये विश्वविद्यालय ने रखी नींव: कुलपति

जौनपुर (तेजस टूडे) 03 अगस्त।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे। मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डा. प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिये कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिये है। सरकार की समर्थ योजना टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही है, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करायेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मंच भी देगा और सह भागिता भी निभायेगा। विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह ने पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया।

वित्त अधिकारी संजय राय ने कहा कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की पहल में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभायेगी। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारी डा. राजकुमार ने प्रस्तुत की। संचालन नितेश कुमार जायसवाल और धन्यवाद ज्ञापन डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, डा. संतोष कुमार, डा. मनीष गुप्ता, डा. प्रमोद यादव, डा. गिरधर मिश्रा, डा. केएस तोमर आदि उपस्थित रहे।

रोजगार के अवसर के लिए विश्वविद्यालय ने रखी नींव: कुलपति

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉक्टर प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिए कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए हैं। सरकार की समर्थ योजना टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही हैं, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मंच भी देगा और सहभागिता भी निभाएगा। विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। वित्त अधिकारी संजय राय ने कहा कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की पहल में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभाएगी। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारी डॉ राजकुमार ने प्रस्तुत की। संचालन नितेश कुमार जायसवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. एके श्रीवास्तव, प्रो.राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, डॉ.संतोष कुमार, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा, डॉ. के एस तोमर समेत सभी सहायक कुलसचिव और शिक्षक उपस्थित थे।

खुद को स्थापित करने को कौशल जरूरी

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में अभिप्रेरण कार्यक्रम 'आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं' का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे।

पीयू में पीएमजी ग्रुप के बीच समझौते पर हस्ताक्षर करते एमओयू के अधिकारी।

मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉक्टर प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिए कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए है। सरकार की समर्थ योजना टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही हैं, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, नोडल अधिकारी डॉ राजकुमार, प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.ए.के श्रीवास्तव, प्रो.राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, डॉ.संतोष कुमार, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ प्रमोद यादव थे।

आज
जौनपुर
वाराणसी, ४ अगस्त, २०२१
३

बदलती दुनियामें अपनेको स्थापित करनेके लिए कौशल जरूरी-गौरव सिंह

पूविविमें अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएंका आयोजन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉक्टर प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिए कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए हैं। सरकार की समर्थ योजना टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही हैं, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मंच भी देगा और सहभागिता भी निभायेगा। विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन नितेश कुमार जायसवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो.ए.के श्रीवास्तव, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, डा. संतोष कुमार, डा. मनीष गुप्ता समेत सभी सहायक कुलसचिव और शिक्षक उपस्थित थे।

बदलती दुनिया में अपने आपको स्थापित करने के लिए कौशल जरूरी : गौरव सिंह

परफेक्ट मिशन / जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र तथा महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में अभिप्रेरण कार्यक्रम आओ कौशल बढ़ाएं रोजगार दिलाएं का आयोजन मंगलवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान पीएमजी ग्रुप और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों केंद्र मिलकर कौशल विकास के क्षेत्र में काम करेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएमजी ग्रुप के प्रबंध निदेशक डॉक्टर प्रतीक सिंह ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में अपने को स्थापित करने के लिए कौशल की जरूरत है। यह केंद्र सरकार की योजना सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए हैं। सरकार की समर्थ योजना टेक्सटाइल के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण योजना, उत्तर प्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट मिशन योजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि आज जो नींव रखी जा रही हैं, उसके आने वाले परिणाम इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मंच भी देगा और सहभागिता भी निभायेगा।

विशिष्ट अतिथि पीएमजी ग्रुप के कार्यकारी अधिकारी गौरव सिंह पीएमजी ग्रुप की रूपरेखा और कार्यशैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। वित्त अधिकारी संजय राय ने कहा कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की पहल में विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभाएगी। कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र की प्रगति रिपोर्ट नोडल अधिकारी डॉ राजकुमार ने प्रस्तुत की। संचालन नितेश कुमार जायसवाल ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.ए.के श्रीवास्तव, प्रो.राजेश शर्मा, प्रो.देवराज सिंह, डॉ.संतोष कुमार, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा, डॉ. के एस तोमर समेत सभी सहायक कुलसचिव और शिक्षक उपस्थित थे।

जिला अपराध निरोधक कमेटी ने किया गोष्ठी का आयोजन

जौनपुर। रसूलाबाद स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर के प्रांगण में जिला अपराध निरोधक कमेटी द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य डा. समर बहादुर सिंह ने भगवान की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पौधरोपण कर किया। डा. सिंह ने कहा कि आज के इस डिजिटल जगत में जहां शिक्षा की बहुत जरूरत है, उतना ही संस्कार की जरूरत है। आज हम देख रहे हैं कि हमारे आने वाले बच्चों में संस्कार की कमी है जो चिंतनीय है। अपने परिवार के बच्चों के साथ-साथ आस पड़ोस के बच्चों की गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान रखें। कमेटी के सचिव आद्या प्रसाद सिंह ने कहा कि समाज को अपराध मुक्त बनाने में अपना पूर्ण सहयोग करें। जिला महासचिव प्रशांत अग्रहरी ने कमेटी के विस्तार के बारे में चर्चा किया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केन्द्र

तथा महिला अध्ययन केन्द्र

वस्त्र मंत्रालय MINISTRY OF TEXTILES | DDU-GKY | सबको हुनर, सबको काम | PMG Skills

समर्थ (टेक्सटाइल मंत्रालय भारत सरकार) की योजना व दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

सहयोगी संस्था : पीएमजी कॉर्पस एज फॉउन्डेशन

आवेदन – पत्र

ऐच्छिक कोर्स का नाम- ☐ सिलाई मशीन ऑपरेटर ☐ सेल्स एसोसिएट ☐ एकाउंट्स एग्जीक्यूटिव

आवेदक का नाम		
अभिभावक का नाम		मोबाइल नं0
गाँव		
ग्राम पंचायत		
ब्लाक का नाम		
जिला		
मो0 नं0 एवं ईमेल आईडी		
जन्म तिथि	उम्र : वर्ष माह	
लिंग	पुरूष ☐ महिला ☐ अन्य ☐	
जाति	अ0जा0 ☐ अ0ज0जा0 ☐ पिछड़ा वर्ग ☐ सामान्य ☐ EWS ☐	
दिव्यांग		
अल्पसंख्यक	हाँ ☐ नहीं ☐	
उच्चतम् शैक्षिक योग्यता		
छात्रावास सुविधा केवल DDU-GKY के लिए	हाँ ☐ नहीं ☐	
अभिभावक का व्यवसाय		
सर्वेकर्ता का नाम		
टिप्पणी (यदि अन्य कोई है)		

आवेदक का हस्ताक्षर

अभिभावक का हस्ताक्षर

सर्वे फार्म

- आप समर्थ प्रोजेक्ट के बारे में कैसे जानते है ?

  ☐ टीवी या न्यूज पेपर विज्ञापन से ☐ पूर्वांचल विश्वविद्यालय कार्यकर्ता से ☐ अन्य किसी से

- आप DDU-GKY प्रोजेक्ट के बारे में कैसे जानते है ?

  ☐ टीवी या न्यूज पेपर विज्ञापन से ☐ पूर्वांचल विश्वविद्यालय कार्यकर्ता से ☐ अन्य किसी से

- क्या आपके पास कुछ कार्य करने का अनुभव है ?

  हाँ ☐ नहीं ☐

- यदि हाँ, तो अपनी अन्तिम नियोक्ता का विवरण साझा करें

  अनुभव वर्ष की संख्या : पद :

  मासिक वेतन :

- क्या आपके अभिभावक द्वारा आपको प्रशिक्षण तथा नौकरी के लिए घर से बाहर भेजने की सहमति है ? हाँ ☐ नहीं ☐

- क्या आप छात्रावास में अगले 5-6 महीने रूकने के लिए सहमत है ? (केवल DDU-GKY के लिए)

  हाँ ☐ नहीं ☐

- क्या आप पिछले 3 सालों में इसी प्रकार के किसी अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किये है ?

  हाँ ☐ नहीं ☐

  यदि हाँ तो प्रोजेक्ट/प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम :

  जॉब रोल का नाम :

  टिप्पणी (यदि कोई हो तो)

संस्था पदाधिकारी का नाम व हस्ताक्षर

दिनांक :

कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र के लोकार्पण समारोह में संबोधित करते हुये
डॉ० महेंद्र नाथ पाण्डेय, मा० केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री

दिनांक: 16 सितम्बर 2019 को कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण करते हुए
डॉ० महेंद्र नाथ पाण्डेय, मा० केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री

Government of India
Ministry of Education
Department of Higher Education
Statistics Division
New Delhi

Certificate

Reference No. U-0550-2021

This is to certify that Dr. Surjeet Kumar of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur has successfully uploaded the data of All India Survey on Higher Education(AISHE) 2021-2022.

RRajesh

(Shri R. Rajesh)
Deputy Director General

Dated: 23/01/2023

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE PERFORMING PADAHASTASANA

The World Record of 'most people performing padahastasana yoga' has been achieved by **Swami Ramdev ji** at Jaunpur, Uttar Pradesh, India.

On Jan 12, 2019; Seventy Nine Thousand Three Hundred (79300) people performed padahastasana yoga simultaneously.

NSS organized the program at **Veer Bahadur Singh Purvanchal University** campus to celebrate 'National Youth Day' on occasion of the birth day of Swami Vivekanand.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records.

www.goldenbookofworldrecords.com

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE PERFORMING TADASANA

The World Record of 'most people performing tadasana' has been achieved by **Swami Ramdev ji** at Jaunpur, Uttar Pradesh, India. On Jan 12, 2019; Seventy Nine Thousand Three Hundred (79300) people performed the tadasana simultaneously.

NSS organized the program at **Veer Bahadur Singh Purvanchal University** campus to celebrate 'National Youth Day' on occasion of the birth day of Swami Vivekanand.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records.
www.goldenbookofworldrecords.com

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE PERFORMING ARDH-CHAKRASANA

The World Record of 'most people performing ardh-chakrasana yoga' has been achieved by **Swami Ramdev ji** at Jaunpur, Uttar Pradesh, India.

On Jan 12, 2019; Seventy Seven Thousand Eight Hundred (77800) people performed the ardh-chakrasana yoga simultaneously.

NSS organized the program at **Veer Bahadur Singh Purvanchal University** campus to celebrate 'National Youth Day' on occasion of the birth day of Swami Vivekanand.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records.

सत्यमेव जयते

राजभवन
उत्तर प्रदेश

आंगनबाड़ी सहभागिता
प्रशस्ति-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

के मार्गदर्शन में संचालित कार्यक्रम

"आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए अनूठी पहल "

के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

द्वारा 125 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर
प्रभावी भूमिका निभाई गयी है।

श्री राजेश कुमार
जिलाधिकारी
आजमगढ़

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति
एवं श्री राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राजभवन
उत्तर प्रदेश

आंगनबाड़ी सहभागिता
प्रशस्ति-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

के मार्गदर्शन में संचालित कार्यक्रम

"आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए अनूठी पहल"

के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

द्वारा 75 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर
प्रभावी भूमिका निभाई गयी है।

श्री अमित सिंह बंसल
जिला अधिकारी
मऊ

आनंदीबेन

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल
माननीय कुलाधिपति
एवं श्री राज्यपाल
उत्तर प्रदेश